दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

फिर से एंटरटेन करने लौट रहा है मिश्रा ...8
सिद्धार्थनगर
शुक्रवार , 29 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 160 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

दिल्ली में पेट्रोल 102 पार, जानें मुंबई समेत बड़े शहरों का नई दरें

देश में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में सोमवार को 2.61 से 2.71 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई। यह पिछले दो हफ्तों से भी कम समय में चौथी वृद्धि है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर उपभोक्ताओं तक पहुंचा रही हैं। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद, लंबे समय तक कीमतों में स्थिरता रहने के बाद 15 मई से शुरू हुए संशोधन के तहत पेट्रोल और डीजल के दामों में कुल मिलाकर करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है। इससे अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के दबाव और परिवहन लागत बढ़ने की आशंकाएं तेज हो गई हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, कीमतों में हुए इस ताजा संशोधन में पेट्रोल 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल 2.71 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है। इसके बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 99.51 रुपये से बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपये से बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गई है। ईंधन की कीमतों में यह लगातार वृद्धि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, रिफाइनिंग मार्जिन में कमी और रुपये के कमजोर होने के कारण हुई है, जिससे आयात लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले, 15 मई को पेट्रोल और डीजल में तीन–तीन रुपये प्रति लीटर, 19 मई को 90 पैसे प्रति लीटर तथा 23 मई को पेट्रोल में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद मुंबई में पेट्रोल 111.21 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में 113.51 रुपये और 99.82 रुपये प्रति लीटर, जबकि चेन्नई में 107.77 रुपये और 99.55 रुपये प्रति लीटर हो गया है। देश में ईंधन की कीमतों में अंतर राज्यवार कर संरचना के कारण देखा जाता है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) मिलकर देश के लगभग 90 प्रतिशत ईंधन बाजार पर नियंत्रण रखती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत से अब तक वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। इसका कारण पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। संघर्ष के शुरुआती ढाई महीनों में तेल कंपनियों ने लागत बढ़ने के बावजूद खुदरा कीमतों को स्थिर रखा था। सरकार ने इसे उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने का कदम बताया था, जबकि विपक्षी दलों ने सरकार पर प्रमुख राज्य विधानसभा चुनावों के कारण कीमतों में बढ़ोतरी टालने का आरोप लगाया था। यह मूल्य वृद्धि 15 मई को तब शुरू हुई जब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावों में से तीन में जीत दर्ज की। सार्वजनिक कंपनियों द्वारा कीमतें बढ़ाए जाने के तुरंत बाद नायरा एनर्जी जैसी निजी तेल कंपनियों ने भी इसी अनुपात में दाम बढ़ा दिए। इससे पहले मार्च में नायरा एनर्जी ने पेट्रोल पर पांच रुपये और डीजल पर तीन रुपये तथा शेल ने एक अप्रैल से पेट्रोल पर 7.41 रुपये और डीजल पर 25 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी पीएलसी के संयुक्त उद्यम जियो–बीपी ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के समान ही अपनी दरें बढ़ाई हैं। देश में पेट्रोल और डीजल के दाम अब मई 2022 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

उत्तर प्रदेश में बिजली संकट पर अखिलेश का बीजेपी पर करारा वार

महा विद्युत संकट से जनता बेहाल

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में चल रहे बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी राजनीतिक दांव–पेच और मंत्रिमंडल फेरबदल के जरिए जनता के बढ़ते गुस्से से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। ग पर एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट में यादव ने भाजपा विधायकों और सांसदों पर उत्तर प्रदेश में चल रहे महा विद्युत संकट को लेकर जनता के आक्रोश से खुद को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता जनहित में नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए पत्र जारी कर रहे हैं। अखिलेश ने लिखा कि उत्तर प्रदेश में असहनीय महा विद्युत संकट के कारण लगातार बढ़ते जन आक्रोश से बचने के लिए, भयभीत भाजपा विधायक और सांसद एक दिखावटी पत्र के

रूप में कागजी कवच का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं – लेकिन यह पत्र वास्तव में उनकी अपनी सरकार को लिखा गया कोई जनहित पत्र नहीं है बल्कि यह आगामी चुनावों में भाजपा की डूबती नाव से निकलकर विपक्ष को टिकट पाने के लिए लिखा गया एक श्आवेदन पत्रश है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान लंबे समय तक बिजली कटौती ने बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं और बीमारों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, साथ ही उन्होंने सरकार पर जनता की शिकायतों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। यादव ने आगे कहा कि हमारे गठबंधन में ऐसे नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है जो जनता को केवल कष्ट, पीड़ा और कठिनाइयों का ही कारण देते हैं। इस भीषण गर्मी में, घर पर बुजुर्गों, बीमारों, बच्चों और भोजन–पानी का इंतजाम करते हुए झुलस रही महिलाओं की दुर्दशा को केवल परिवार के सदस्य ही सही मायने में समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी आपदाओं में अवसर तलाशते थे, अब उन्हें पता चल गया है कि जिस श्अधिकारीश को वे अवसर के लिए निशाना बना रहे थे, वही स्वयं आपदा बन गया है। जब तक हाथ खड़े करके और नारे लगाकर भागने वाले लोग बने रहेंगे, तब तक समस्याएँ हल नहीं होंगी। उन्होंने भाजपा की दोहरे इंजन वाली सरकार के कामकाज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा के दोहरे इंजन वाले ढांचे में चल रहे इस आंतरिक संघर्ष का खामियाजा जनता को क्यों भुगतना पड़े?

सीबीएसई के ओएसएम सिस्टम पर मचा बवाल, जयराम रमेश बोले–केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तुरंत इस्तीफा दें

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए, कांग्रेस राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को सीबीएसई की कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में कथित अनियमितताओं के लिए सरकार से जवाबदेही की मांग की। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी से यह स्पष्ट करने को कहा कि शिक्षा मंत्री की अक्षमता को इतने लंबे समय तक क्यों जारी रहने दिया गया। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि सीबीएसई ने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम (ओएसएम) लागू किया है, जिससे देशभर के लाखों बच्चों का शैक्षणिक भविष्य अधर में लटक गया है। पार्टी नेता के अनुसार, छात्रों के उत्तीर्ण प्रतिशत में 3 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम

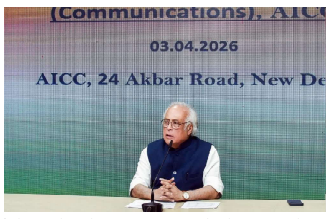

में अनियमितताओं के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर लिखा कि कक्षा 12 के उत्तीर्ण प्रतिशत में अभूतपूर्व 3 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है (88% से 85%) और यह प्रक्रिया अनियमितताओं से ग्रस्त रही है – धुंधली और अपठनीय उत्तर पुस्तिकाएं, गलत अंकन, छात्रों को गलत उत्तर पुस्तिकाओं का श्रेय देना, भुगतान में देरी और छात्रों से मनमाने ढंग से पुनर्मूल्यांकन शुल्क की मांग। उन्होंने सरकार पर नई प्रणाली लागू करने के लिए कथित तौर पर तैयार न होने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री की इस बात की आलोचना की कि वे इन तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए आईआईटी कानपुर को लाकर खुद को मसीहा के रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असली सवाल यह है कि इन समस्याओं का पहले से अनुमान क्यों नहीं लगाया गया? सीबीएसई और मंत्रालय ने इस ओएसएम प्रणाली को अपनाने से पहले सावधानीपूर्वक योजना क्यों नहीं बनाई? मंत्री जी को इस मुद्दे पर जवाब देने में इतना समय क्यों लगा? कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई और प्रधानमंत्री से इस तरह की अक्षमता को जारी रहने देने पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि मंत्री प्रधान को देश को अपना इस्तीफा देना चाहिए और प्रधानमंत्री को हमें यह जवाब देना चाहिए कि इस मंत्री को, जो अपनी अक्षमता से खुलेआम भारत के छात्रों के भविष्य को बर्बाद कर रहा है, इतने लंबे समय तक पद पर क्यों बने रहने दिया गया है।

बंगाल राजनीति में सुवेंदु अधिकारी का मास्टरस्ट्रोक, 5 रुपये में मछली–भात, महिलाओं को 3000 रुपये

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कल्याणी में कई कल्याणकारी और नियामक उपायों की घोषणा की, जिनमें शैक्षणिक संस्थानों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानों पर प्रतिबंध, महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय सहायता योजना और पूरे राज्य में रियायती दरों पर मछली–चावल का भोजन शामिल है। मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानें खोलने की अनुमति नहीं होगी। एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 27 मई से श्अन्नपूर्णा योजनाश के लिए आवेदन पत्र जारी करना शुरू करेगी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। इस योजना से राज्य भर की लाखों महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री अधिकारी ने पूरे बंगाल में रियायती कैंटीन शुरू करने की भी घोषणा की, जहां मछली–चावल का भोजन 5 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। उनके अनुसार, लोगों को किफायती भोजन उपलब्ध कराने के लिए इस पहल के तहत लगभग 400 विशेष कैंटीन स्थापित की जाएंगी।

`ऑपरेशन शेरावाली' के तहत ड्रोन, हेलीकॉप्टर, खोजी कुत्तों और अतिरिक्त जवानों की मदद से ढूँढ़े जा रहे आतंकी

जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में चल रहा 'ऑपरेशन शेरावाली' अब बेहद संवेदनशील और खतरनाक चरण में पहुंच गया है। डोरी माल और गंभीर मोगला के घने जंगलों में छिपे आतंकियों की तलाश में सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें लगातार चौथे दिन भी बड़े स्तर पर अभियान चला रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार इलाके में दो से तीन भारी हथियारों से लैस आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। माना जा रहा है कि इनमें एक पूर्व पाकिस्तानी विशेष बल कमांडो भी शामिल हो सकता है। हम आपको बता दें कि शनिवार को खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान गंभीर मोगला क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों का आमना सामना हुआ, जिसके बाद रुक रुक कर गोलीबारी शुरू हो गई। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि शनिवार करीब साढ़े ग्यारह बजे पहली बार आतंकियों से संपर्क स्थापित हुआ था। इसके बाद से पूरे क्षेत्र में लगातार

निगरानी और तलाशी अभियान जारी है।मंगलवार सुबह ऑपरेशन के चौथे दिन सेना ने हवाई निगरानी के लिए हेलीकॉप्टरों को तैनात किया। डोरी माल के घने जंगलों के ऊपर हेलीकॉप्टर लगातार चक्कर लगाते रहे, जबकि जमीन पर सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें जंगल के भीतर सघन तलाशी अभियान चलाती रहीं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि आतंकी घायल हो सकते हैं और लगातार अपनी जगह बदल रहे हैं ताकि सुरक्षाबलों से बच सकें। पिछले तीन दिनों के दौरान इलाके में कई बार गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। सोमवार को फिर भारी फायरिंग और विस्फोटों से पूरा इलाका गूंज उठा। स्थानीय लोगों के अनुसार धमाकों की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बन गया। सुरक्षाबल अत्यधिक सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि जंगल की भौगोलिक स्थिति आतंकियों को छिपने में मदद कर रही है। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों को जंगल के भीतर एक गुप्त आतंकी ठिकाना भी मिला है। यह ठिकाना झाड़ियों और पेड़ों के बीच बेहद सावधानी से बनाया गया था। वहां से खाने पीने का सामान, पानी की बोतलें, अचार, कपड़े, बैग, कोल्ड ड्रिंक और अन्य जरूरी सामग्री बरामद की गई है।

बढ़ते ईंधन की कीमतों पर खरगे का वार: पीएम मोदी को गरीब नहीं, विदेश यात्रा प्यारी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बीच सरकार गरीबों की समस्याओं का समाधान करने में अक्षम है। यह बयान दो सप्ताह से भी कम समय में चौथी बार ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद आया है, जिसमें सोमवार को पूरे भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गईं। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और ईंधन की कीमतों पर चिंता जताई। खरगे ने कहा कि इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी इन मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहते और देश को बर्बाद करना चाहते हैं। वे देश के लिए बलिदान देने का दावा करते हैं। अगर महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ती रही तो कारखाने बंद हो जाएंगे।

फिर क्या होगा? देश के लोग इस सरकार से नाराज हैं। यह सरकार गरीबों की समस्याओं को हल करने में असमर्थ है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इस मुद्दे पर ध्यान नहीं देती, न ही देश के हित में क्या है, इस पर विचार करती है। यह मामला सिर्फ आज का नहीं है। सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह समस्या बढ़ती ही जा रही है। क्या वे देश चलाना चाहते हैं या पर्यटक बनकर विभिन्न देशों की सैर करना चाहते हैं? इसी दिन इससे पहले, खरगे ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने प्रशासन पर ईंधन करों और मूल्य वृद्धि से मुनाफा कमाकर आम आदमी पर बोझ डालने का आरोप लगाया। खरगे ने मुद्रास्फीति और ईंधन की कीमतों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, "हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या।"

दिल्ली में पीएम मोदी से मिले वीडी सतीशन, केरल के लिए मांगा केंद्र का साथ

केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने पदभार ग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात की, जो कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) की सत्ता में वापसी के बाद एक महत्वपूर्ण क्षण था। सतीशन द्वारा कथकली नर्तकी की प्रतिमा भेंट करने से यह मुलाकात क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करती है। यह मुलाकात राज्य चुनावों में यूडीएफ की शानदार जीत के बाद हुई है, जिसने एक दशक के लंबे शासन अंतराल को समाप्त किया है। 18 मई को केरल के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले सतीशन ने 20 मंत्रियों के साथ शपथ ली, जिनमें से कई राजनीति में नए चेहरे हैं। यूडीएफ के स्पष्ट चुनावी जनादेश के अनुरूप, नई सरकार बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए राज्य की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने का प्रयास कर रही है। प्रमुख विभागों का आवंटन कर दिया गया है, जिसमें सतीशान को वित्त और कानून जैसे प्रभावशाली विभाग सौंपे गए हैं जबकि अन्य रणनीतिक क्षेत्रों का नेतृत्व कांग्रेस के प्रमुख नेता कर रहे हैं।

18 साल बाद खुला प्रमोशन का रास्ता : खुनियांव बीईओ महेंद्र कुमार बने बीएसए

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग में लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर एक बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है। सिद्धार्थनगर जिले के खुनियांव विकास क्षेत्र में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के पद पर कार्यरत महेंद्र कुमार को बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अथवा समकक्ष पद पर पदोन्नत कर दिया गया है। बुधवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में उनके नाम पर अंतिम मुहर लगा दी गई। शिक्षा विभाग में इस पदोन्नति को ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल, निरीक्षण शाखा के खंड शिक्षा अधिकारियों को शिक्षण शाखा के पदों पर पदोन्नति दिए जाने को लेकर पिछले 18 वर्षों से विवाद चल रहा था। राजकीय शिक्षकों की आपत्तियों के कारण वर्ष 2008 के बाद से समूह–'ख' (क्लास–टू) अधिकारियों की पदोन्नति मिली है, बल्कि प्रदेशभर के खंड शिक्षा

पदोन्नति प्रक्रिया पूरी तरह ठप पड़ी हुई थी। करीब डेढ़ दशक से अधिक समय तक चली इस प्रशासनिक जटिलता के कारण प्रदेशभर के बीईओ पदोन्नति से वंचित थे। अब डीपीसी की बैठक में निर्णय होने के बाद न केवल महेंद्र कुमार को अधिकारियों में भी नई उम्मीद जगी है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इससे लंबे समय से लंबित पदोन्नति मामलों के निस्तारण का रास्ता साफ होगा और विभागीय कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा आएगी। महेंद्र कुमार को शिक्षा प्रशासन और शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में अनुभवी एवं कुशल अधिकारी माना जाता है। खुनियांव ब्लॉक में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने, निरीक्षण व्यवस्था को मजबूत करने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाई है। विभागीय अधिकारियों और शिक्षकों के बीच उनकी कार्यशैली को लेकर सकारात्मक छवि रही है। इस पदोन्नति के बाद अब वे शिक्षा विभाग के कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी संभालने के पात्र हो गए हैं। इसके अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में वरिष्ठ प्रवक्ता, प्राचार्य, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक पद शामिल हैं। पदोन्नति की खबर मिलते ही शिक्षा विभाग में खुशी का माहौल देखने को मिला। शैलेश कुमार सहित विभाग के दर्जनों अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महेंद्र कुमार को बधाई दी। शुभकामनाएं देने वालों में प्रमुख रूप से धर्मेंद्र पाल, अशोक कुमार सिंह, महेंद्र प्रसाद, सुरेंद्र श्रीवास्तव, धर्मप्रकाश श्रीवास्तव, अमित शुक्ला, आशीष मिश्रा, आशीष सिंह, करुणापति त्रिपाठी, हरिशंकर सिंह, रूपेश सिंह, रवि गुप्ता, मुकुल मिश्रा और मिथिलेश सिंह शामिल रहे। शिक्षा विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि यह निर्णय न केवल एक अधिकारी की पदोन्नति है, बल्कि वर्षों से लंबित व्यवस्था सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। इससे विभाग में कार्यरत अन्य अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा और पारदर्शी पदोन्नति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सीबीएसई का त्रिभाषा सूत्र स्वागतयोग्य, नई पीढ़ी को संस्कृति और जड़ों से जोड़ेगा : बसंत प्रसाद मिश्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

तेतरी बाजार/सिद्धार्थनगर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा माध्यमिक स्तर पर त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत दो भारतीय भाषाओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करने के निर्णय का क्षेत्र के शिक्षाविदों ने स्वागत किया है। शिक्षकों और शिक्षा विशेषज्ञों ने इसे भारतीय संस्कृति, भाषाई विरासत और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है। रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बसंत प्रसाद मिश्र ने कहा कि भारतीय भाषाएं देश की सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान परंपरा की आधारशिला हैं। विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं से जोड़ने से उनमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों के प्रति स्वाभाविक लगाव विकसित होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने या किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रभावना का विकास करना भी होना चाहिए। भारतीय भाषाओं का अध्ययन छात्रों को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानाचार्य ने कहा कि बहुभाषीय शिक्षा विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करती है। मातृभाषा एवं स्थानीय भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र विषयों को अधिक सहजता और गहराई से समझ पाते हैं। यही कारण है कि दुनिया के कई विकसित देशों में भी मातृभाषा आधारित शिक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में भी भारतीय भाषाओं को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसे में सीबीएसई का यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने वाला सकारात्मक प्रयास है। इससे विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और "एक भारत–श्रेष्ठ भारत" की भावना को और अधिक मजबूती मिलेगी। शिक्षाविदों का मानना है कि भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने से नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रहेगी और शिक्षा व्यवस्था अधिक प्रभावी एवं जीवनोपयोगी बन सकेगी।

नवजात की मौत पर जनता सेवा हॉस्पिटल पर एफआईआर

बिना विशेषज्ञ डॉक्टरों के ऑपरेशन का आरोप, प्रसूता की हालत गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के इटवा कस्बे में स्थित एक निजी अस्पताल में कथित चिकित्सीय लापरवाही का एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला प्रकाश में आया है। प्रसव (डिलीवरी) के दौरान एक नवजात शिशु की दर्दनाक मौत हो गई है, जिसके बाद पीड़ित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर बिना विशेषज्ञ डॉक्टरों और अप्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ के ही जबरन ऑपरेशन (सिजेरियन) करने का संगीन आरोप लगाया है। इटवा थाना पुलिस ने पीड़ित महिला के पति की तहरीर के आधार पर अस्पताल संचालक और संबंधित स्टाफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, यह घटना 23 मई 2026 की बताई जा रही है। इटवा क्षेत्र के ग्राम सहदेउवा के निवासी चंद्रमणी ने बताया कि उनकी पत्नी वंदना को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई थी। हालत गंभीर होने पर वे रात करीब 11 बजे उन्हें इलाज के लिए इटवा कस्बे में स्थित श्जनता सेवा हॉस्पिटलश लेकर पहुंचे। पीड़ित पति का आरोप है कि अस्पताल कर्मियों ने उन्हें सुरक्षित प्रसव कराने और अस्पताल में महिला डॉक्टर की चौबीसों घंटे उपलब्धता होने का पूरा भरोसा दिया और महिला को भर्ती कर लिया। पीड़ित परिवार का सीधा आरोप है कि अस्पताल में ऑपरेशन के समय कोई भी विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं था। बिना किसी समुचित पूर्व जांच के और प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ, सर्जन, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ (बेहोशी के डॉक्टर), स्त्री रोग विशेषज्ञ या बाल रोग विशेषज्ञ की अनुपस्थिति में ही प्रसव के लिए बड़ा ऑपरेशन कर दिया गया। परिजनों के मुताबिक, ऑपरेशन

के बाद जन्मे नवजात शिशु की स्थिति नाजुक थी, लेकिन अस्पताल द्वारा उसकी सही तरीके से देखरेख और मेडिकल केयर नहीं की गई, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। यही नहीं, गलत तरीके से किए गए ऑपरेशन के कारण प्रसूता वंदना की हालत भी लगातार अत्यंत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद से ही पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है और उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। घ्मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आई। इटवा पुलिस ने पीड़ित चंद्रमणी की तहरीर को आधार बनाकर अस्पताल संचालक और ड्यूटी पर मौजूद संबंधित स्टाफ के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम अब अस्पताल के आधिकारिक दस्तावेज, ड्यूटी रजिस्टर, प्रसव प्रक्रिया से जुड़े तथ्यों और सीसीटीवी फुटेज आदि की सघन जांच कर रही है। उधर, स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ. रजत कुमार चौरसिया ने मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया है। इस उच्चस्तरीय जांच समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। घ्गठित समिति में वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है डॉ. आर.जी. सिंह (अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आरसीएच) डॉ. आशीष कुमार अग्रहरी (उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी)डॉ. संदीप कुमार द्विवेदी (अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इटवा) यह जांच टीम जनता सेवा हॉस्पिटल में उपलब्ध अनिवार्य चिकित्सा सुविधाओं, तय चिकित्सकीय मानकों, ऑपरेशन की अपनाई गई प्रक्रिया और उस रात ड्यूटी पर तैनात मेडिकल स्टाफ की वास्तविक भूमिका व उनकी डिग्रियों की गहन समीक्षा करेगी। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि जिले में कुकुरमुत्ते की तरह खुल गए बिना मानकों वाले निजी अस्पतालों की व्यापक स्तर पर जांच कराई जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले क्लिनिकों को तत्काल सील कर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग दोनों ही अपने–अपने स्तर पर इस मामले की तह तक जाने के लिए जांच में जुटे हुए हैं।

बहराइच में धूमधाम से मनाई गई ईद–उल–अजहा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में ईद–उल–अजहा (बकरीद) का त्योहार शनिवार को पूरे हर्षोल्लास, आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने ईद की विशेष नमाज अदा कर मुल्क में अमन–चौन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक–दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में त्योहार को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक उत्सव जैसा माहौल बना रहा। त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा अधिकारियों ने लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की।

ईएमटी क्लस्टर ट्रेनिंग सड़क दुर्घटनाओं में बन रही संजीवनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद के लोटन ब्लॉक क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई। विनय नामक छात्र ट्यूशन पढ़ने जा रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में छात्र के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए जुट गए। घटना की सूचना तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को दी गई। सूचना मिलते ही लोटन अस्पताल से तैनात 108 एंबुलेंस के ईएमटी सच्चिदानंद एवं पायलट दीपक ने तत्परता दिखाते हुए मात्र 10 मिनट में लगभग 6 किलोमीटर की दूरी तय कर दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर घायल छात्र को प्राथमिक उपचार प्रदान किया। ईएमटी सच्चिदानंद ने घायल की स्थिति को देखते हुए तुरंत आवश्यक चिकित्सकीय सहायता दी और सावधानीपूर्वक एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार शुरू कराया गया। समय पर उपचार मिलने से छात्र की स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने 108 एंबुलेंस सेवा एवं ईएमटी टीम की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मिली सहायता ने एक बड़ी अनहोनी टाल दी। लोगों ने कहा कि यदि एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंचती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ईएमटी क्लस्टर ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को इस प्रकार प्रशिक्षित करना है कि वे सड़क दुर्घटना, गंभीर बीमारी या अन्य आपात स्थितियों में तेजी और दक्षता के साथ कार्य कर सकें। बेहतर प्रशिक्षण और त्वरित निर्णय क्षमता के कारण ही कई लोगों की जान समय रहते बचाई जा रही है। क्षेत्रीय लोगों ने सरकार की 108 एंबुलेंस सेवा को जनहित में बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में यह सेवा लोगों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है।

पीडब्ल्यूडी भूमि पर कब्जे की शिकायत पर रुका निर्माण कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शहर के बांसी स्टैंड स्थित सिनेमा हाल के पास लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता कमल किशोर द्वारा जिलाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपे जाने के बाद राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्य को रुकवा दिया। अधिशासी अभियंता ने जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि नौगढ़ सिनेमा हाल के पास स्थित गाटा संख्या 144 एवं 152 में शामिल पीडब्ल्यूडी की भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने सरकारी भूमि को अतिक्रमण से बचाने के लिए दोनों गाटा संख्याओं की विधिवत पैमाइश एवं चिह्नांकन कराने की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल एसडीएम नौगढ़ राहुल सिंह को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीएम के निर्देश के बाद प्रशासनिक अमला सक्रिय हुआ और राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया। एसडीएम राहुल सिंह ने बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से विवादित भूमि की पैमाइश कराने के लिए आधिकारिक पत्र प्राप्त हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि गाटा संख्या 144 की पूरी भूमि लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व में दर्ज है, जबकि गाटा संख्या 152 में पीडब्ल्यूडी के साथ कुछ निजी व्यक्तियों की भूमि भी शामिल है। उन्होंने बताया कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत मिलने के बाद राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और वहां चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रुकवा दिया। साथ ही संबंधित पक्षों को बिना अनुमति निर्माण न करने की चेतावनी भी दी गई है। एसडीएम ने कहा कि जल्द ही राजस्व विभाग द्वारा पूरी भूमि की विधिवत पैमाइश कराकर सरकारी एवं निजी भूमि का अलग–अलग चिह्नांकन किया जाएगा। यदि जांच के दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा या निर्माण पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और प्रशासन को ऐसे मामलों में नियमित निगरानी एवं सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि सरकारी संपत्तियों को सुरक्षित रखा जा सके। फिलहाल राजस्व विभाग और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त कार्रवाई के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया है तथा प्रशासन पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटा हुआ है।

संदिग्ध हालात में पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर। कठेला समय माता थाना क्षेत्र के अंतर्गत भैंसाही जंगल में बुधवार सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, भैंसाही जंगल के सीवान से होकर बूढ़ी राप्ती नदी गुजरती है। बुधवार सुबह कुछ ग्रामीण नदी किनारे की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां स्थित एक बबूल के पेड़ पर पड़ी, जहां एक व्यक्ति का शव फंदे के सहारे लटक रहा था। यह दृश्य देखकर ग्रामीण दहशत में आ गए और शोर मचाने लगे। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मृतक की पहचान ढेबरुआ थाना क्षेत्र के भुतहवा गांव निवासी प्रेमचंद (55 वर्ष) पुत्र लालू के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही ढेबरुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई, लेकिन घटनास्थल की सीमा को लेकर पुलिस असमंजस में पड़ गई। बताया जाता है कि कुछ लोगों ने घटनास्थल को कठेला समय माता थाना क्षेत्र में बताया, जबकि प्रारंभिक सूचना ढेबरुआ पुलिस को दी गई थी। इसके बाद ढेबरुआ पुलिस ने कठेला समय माता पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही कठेला समय माता थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं क्षेत्र में इस घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नदी में डूबने से युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना गांव निवासी ओमप्रकाश 24 वर्ष पुत्र स्व० श्याम सुंदर धांगर की मौत घाघर नदी में मछली मारने के दौरान डूबने से हो गई। बताया गया कि ओमप्रकाश गांव के ही कुछ अन्य लड़कों के साथ मछली मारने गांव से लगभग आधा किलोमीटर दूर घाघर नदी में मछली मारने के लिए बीते बुधवार को दोपहर लगभग 1 बजे घर से गया। रामपुर बरकोनिया प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार यादव व पुलिसकर्मियों की उपस्थिति में गुरुवार को पुनः खोज शुरू हुई।बनारस से आई एनडीआरएफ की टीम ने डूबे ओमप्रकाश का शव आज सुबह लगभग 8:30 बजे निकाला। उसके बाद रामपुर बरकोनिया पुलिस ने लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बताया गया कि मृतक घर का इकलौता था।

अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। स्वाभिमान समिति द्वारा संचालित किशोरी सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर ग्राम खुटवा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में माहवारी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं उससे जुड़े सामाजिक मिथकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में ममता वर्मा ने स्वाभिमान समिति एवं किशोरी सशक्तिकरण परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था लगातार किशोरियों और महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, अधिकार एवं नेतृत्व विकास के लिए कार्य कर रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिरामल फाउंडेशन के योगेंद्र जी रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज भी समाज में माहवारी को लेकर झिझक और शर्म का माहौल बना हुआ है, जिसके कारण महिलाएं और किशोरियां खुलकर अपनी समस्याओं पर बात नहीं कर पाती हैं। उन्होंने कहा कि समाज को इस सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है, ताकि माहवारी को सामान्य स्वास्थ्य प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जा सके और महिलाओं को सम्मानपूर्वक देखा जा सके। संभावती जी ने अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी प्रबंधन के बारे में बताया। वहीं संगीता ने माहवारी से जुड़े विभिन्न मिथकों और सामाजिक भ्रांतियों पर चर्चा करते हुए वैज्ञानिक सोच अपनाने पर जोर दिया। सृष्टि किशोरी ने किशोरी सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत किशोरियों में आए सकारात्मक बदलावों और नेतृत्व क्षमता के विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब किशोरियां अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हो रही हैं और गांव स्तर से लेकर ब्लॉक एवं जिला स्तर तक अपनी आवाज़ प्रभावी ढंग से उठा रही हैं। प्रसून जी ने बच्चों की शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज में जागरूकता और समानता लाने का सबसे सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में दीपक, सर्वेश, जरीना, पूनम, बॉबी सहित लगभग 100 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं किशोरियों ने माहवारी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं अधिकारों से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा की। स्वाभिमान समिति ने कार्यक्रम के माध्यम से माहवारी से जुड़े मिथकों को समाप्त कर सम्मानजनक एवं जागरूक समाज निर्माण का संदेश दिया।

खेसरहा क्षेत्र के सुपौली में भीषण सड़क हादसा, बोलेरो–बाइक की आमने–सामने टक्कर में युवक गंभीर घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद के थाना खेसरहा क्षेत्र अंतर्गत सुपौली गांव के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बोलेरो और बाइक की आमने–सामने हुई जोरदार टक्कर में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान नितिन पांडे पुत्र विजय पांडे निवासी लक्ष्मीनगर, महादेव बाजार, थाना नौगढ़, जिला सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नितिन पांडे किसी कार्य से बाइक द्वारा जा रहे थे, तभी सुपौली के पास सामने से आ रही बोलेरो से उनकी बाइक की तेज भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में युवक के बाएं पैर में फैक्चर हो गया है, वहीं शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें भी आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही खेसरहा पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा तत्काल एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचाया गया। सीएचसी खेसरहा में डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने युवक को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं इस हादसे के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

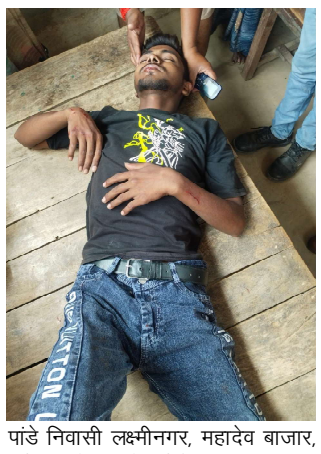

थाना शिवनगर डिड़ई के सिकटा गांव में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देशन में मिशन शक्ति 5 (प) अभियान के तहत थाना शिवनगर डिड़ई की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम सिकटा में महिलाओं को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान, नए कानूनों, साइबर अपराध से बचाव तथा एंटी रोमियो अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड और साइबर अपराधों से सतर्क रहने के लिए जागरूक किया। इसके साथ ही महिलाओं को सुरक्षा एवं सहायता के लिए जारी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090, 112, 181, 1076 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं से किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनका समाधान कराने का आश्वासन पुलिस टीम द्वारा दिया गया।

संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा को लेकर आजाद अधिकार सेना का जोरदार प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा को लेकर सोमवार को जिला मुख्यालय पर आजाद अधिकार सेना द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। संगठन के जिलाध्यक्ष उपेन्द्र चतुर्वेदी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद की तथा जिलाधिकारी के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने संविधान की रक्षा, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर नारेबाजी भी की। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में आम नागरिकों, गरीबों, किसानों, युवाओं और समाज के कमजोर वर्गों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। जिलाध्यक्ष उपेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि प्रशासनिक कठोरता और बढ़ती जटिल प्रक्रियाओं के कारण आम व्यक्ति को न्याय पाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए, लेकिन कई मामलों में लोगों को अपनी बात रखने तक का अवसर नहीं मिल पाता। इससे समाज में असुरक्षा और अविश्वास की भावना बढ़ रही है। ज्ञापन में संगठन की ओर से कहा गया कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों पर चल रहे विभिन्न जन अभियानों को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। यह इस बात का संकेत है कि आम नागरिक अपने अधिकारों, न्याय और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। संगठन ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर विषय बताते हुए सरकार से संवेदनशीलता के साथ कदम उठाने की मांग की। आजाद अधिकार सेना ने केंद्र एवं राज्य सरकार से निर्दोष नागरिकों के उत्पीड़न पर रोक लगाने, प्रशासनिक कार्यवाहियों को संविधान और कानून की मर्यादा में रखने तथा गरीब, किसान, युवा, मजदूर और महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित एवं निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा फर्जी मुकदमों पर नियंत्रण लगाने, भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर कार्रवाई करने तथा पुलिस–प्रशासन की जवाबदेही तय करने की भी मांग उठाई गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, जिसकी रक्षा करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखेगा। प्रदर्शन के दौरान संगठन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। ज्ञापन सौंपने के बाद कार्यकर्ताओं ने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

इटवा में एक प्राइवेट हॉस्पिटल मे नवजात शिशु की मौत से मचा हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर नगर पंचायत इटवा में इस समय प्राइवेट हॉस्पिटलो की गिनती नहीं है।वहीं कुछ ऐसे हांस्पिल है। जहां साहब के मिली भगत से चल रहे। जहां न कोई डिग्री है। और ना कोई सारजंन डाक्टर रहते है। जिससे किई मरीजों को मौत का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारीयों और कर्मचारियों की मिली भगत से एक और नवजात शिशु की मौत हो गई। इटवा स्थित जनता सेवा हॉस्पिटल में नवजात की मौत से मामले ने तूल पकड़ लिया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने थ्त दर्ज कर लिया और जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि बिना अल्ट्रासाउंड और हार्ट बीट जांच किए ऑपरेशन कर दिया गया । जिसके बाद जच्चा,बच्चा की हालत बिगड़ गई। बस्ती रेफर किए जाने के बाद रास्ते मे नवजात की मौत हो गई जबकि मां की हालत गंभीर बताई जा रही है। पीड़ित परिवार का दावा है कि यही अस्पताल पहले सेवा हॉस्पिटल के नाम से चल रहा था और फर्जी लाइसेंस होने से सीज हो चुका था, लेकिन अपने सेटिंग और पैसे के बलबूते पर फिर से नाम बदलकर दोबारा जनता सेवा हॉस्पिटल के नाम से संचालित किया गया हैरानी की बात यह भी बताई जा रही है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से महज 50 मीटर की दूरी पर यह अस्पताल लंबे समय से चल रहा है।लेकिन जिम्मेदारों की नजर नहीं पड़ती परिजनों ने जिलाधिकारी और ब्ड जांच की मांग की है।और इटवा थाने को तहरीर देकर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि खुद को डॉक्टर बताने वाले राकेश यादव मामले को पैसे देकर मैनेज करने की बात कह रहे थे यहां तक कि स्वास्थ्य विभाग में भी सेटिंग कराने का दावा किया गया। अब थ्त दर्ज होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोग मांग कर रहे हैं कि निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो ताकि भविष्य में किसी और परिवार को ऐसी त्रासदी न झेलनी पड़े। वहीं सरकार की मंशा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की है लेकिन ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई ही व्यवस्था पर भरोसा मजबूत करेगी।

सिद्धार्थनगर में खेसरहा पुलिस ने की कार्रवाई हत्या के आरोप में वांछित आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में खेसरहा पुलिस ने बृहस्पतिवार को हत्या के एक मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेज दिया गया है। यह कार्रवाई एसपी डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी बाँसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान चलाया जा रहा था। थाना खेसरहा में बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त अजहर हुसैन पुत्र नबी हुसैन को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। अजहर हुसैन दुबाई, थाना खेसरहा सिद्धार्थनगर का निवासी है। उसे बांसी–बेलौहा मार्ग स्थित सोरवा माफी मोड़ से पकड़ा गया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे माननीय न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र, कांस्टेबल चंदन सिंह, रि०आ० आवेश यादव और रि०आ० मनमोहन शामिल थे।

बालू लदा दो ट्रेलर सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर पुलिस व आरटीओ विभाग ने गुरुवार को मानक के विपरीत चल रहे बालू परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो ट्रेलर को सीज कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। शक्तिनगर थाना प्रभारी सत्येंद्र राय ने बताया कि आरटीओ विभाग नें बालू लदा दो ट्रेलर को मानक के विपरीत परिवहन करने के आरोप में सीज किया गया है। इससे पूर्व भी पांच ट्रेलर चीज किया गया था। बताया कि अभियान चलाकर मानक के विपरीत चल रहे परिवहन कें खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जाएगी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद–उल–अज़हा (बकरीद) का पर्व

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ के नगर पंचायत शोहरतगढ़ सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को मुस्लिम समुदाय ने ईद–उल–अज़हा (बकरीद) का पर्व पूरे हर्षोल्लास, आपसी भाईचारे और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया। ईदगाहों एवं मस्जिदों में शांतिपूर्ण माहौल में नमाज़ अदा की गई। सुबह 7 बजे नगर पंचायत शोहरतगढ़ के गड़ाकुल स्थित ईदगाह में मौलाना रज़ीउल्लाह ने ईद की नमाज़ पढ़ाई, जबकि सुबह 8 बजे नूरुल्लतीफ जामा मस्जिद में मौलाना शाहिद रज़ा फैज़ी ने नमाज़ अदा कराई। नमाज़ के दौरान मुल्क में अमन–चौन, तरक्की, आपसी सौहार्द और लोगों की खुशहाली के लिए विशेष दुआ मांगी गई। इसके अलावा बगुलहवा, गजहड़ा, महमुदवा ग्रांट, दुधवनिया बुजुर्ग, अंतरी, चेतरा, अठकोनिया, परसोहिया, जुगडीहवा, सिंहोरवा, चिल्हिया, गौरा बाजार, भगवानपुर सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भी बकरीद का त्योहार उत्साहपूर्वक मनाया गया। लोगों ने एक–दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। ईदगाहों के आसपास लगे मेलों में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने जमकर खरीदारी की और मेले का आनंद उठाया। नमाज़ के बाद लोगों ने अपने घरों में बकरों की कुर्बानी दी तथा गरीबों और जरूरतमंदों के बीच कुर्बानी का हिस्सा वितरित किया। त्योहार को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। ईदगाहों एवं मस्जिदों के आसपास पुलिस बल की तैनाती की गई थी। एसडीएम करमेन्द्र कुमार, सीओ मयंक द्विवेदी, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव तथा थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह, राजेश कुमार गुप्ता और दुर्गा प्रसाद सहित प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। इस अवसर पर जामा मस्जिद सदर अल्ताफ हुसैन, नवाब खान, शकील खान, डॉ. सरफराज अंसारी, शादाब अंसारी, हाफिज एजाज़ अहमद अंसारी, फखरे आलम, अफजल अंसारी, असरफ अंसारी, वकील खान, सरवर आलम, मेराज अहमद, अब्दुल हमीद शाह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

क्रीमी लेयर को अलग करने की पहल

इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है। निस्संदेह, इस कथन ...

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक–सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार–बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर–जाल में फंसे परिवार– मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग–अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच–समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है। इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है। निस्संदेह, इस कथन की तार्किकता विचारणीय है। लेकिन इसका एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि सामाजिक विसंगति और आर्थिक विषमता दूर करने का एकमात्र साधन आरक्षण ही नहीं हो सकता है। यहां यह भी विचारणीय होना चाहिए कि कई पीढ़ियों से आरक्षण लाभ पा चुके लोग, स्वेच्छा से उसका परित्याग करें तो इस दिशा में धनात्मक वातावरण बन सकता है। निश्चित रूप से ऐसे कदमों से मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की सकारात्मक पहल को संबल मिल सकेगा।

देखो झालमुड़ी का जलवा, कर दिया कमाल

झालमुड़ी का कमाल देखिए बंगाल की शेरनी कही जानेवाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां बची हैं। वैसे तो विरोधी भाजपा पर अकूत धनबल का आरोप लगाते नहीं थकते, लेकिन कहा जा रहा है कि बंगाल में उसे चुनाव तो दस रुपये की झालमुड़ी ने ही जिताया। खैर, झालमुड़ी को अब देश में वही सम्मान प्राप्त हो सकता है जो कई वर्ष से बुलडोजर को हासिल है। फिर चाहे बुलडोजर के सामने उसकी स्थिति हाथी के सामने चींटी वाली ही क्यों न हो। झालमुड़ी का कमाल देखो कि बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां निकल रही हैं। कुछ लोग बंगाल में भाजपा की जीत का श्रेय झालमुड़ी के साथ ही साथ मछली भक्षण को भी दे रहे हैं। अब जाहिर है कि मछली भक्षण का झालमुड़ी से तो कोई मुकाबला नहीं हो सकता। क्योंकि झालमुड़ी तो खायी थी प्रधानमंत्रीजी ने और मछली खायी अनुराग ठाकुर ने। ऐसे में खुद अनुराग ठाकुर ही यह मुकाबला नहीं चाहेंगे। बल्कि वे इस मुकाबले को विरोधियों की साजिश भी करार दे सकते हैं। यार, यह लोग नहीं बनने देंगे मंत्री! खैर, रविकिशन बंगालियों को चार गुना ज्यादा मछली खिलाने का वादा कर गए। डर यही है कि कहीं इस वादे को भी पंद्रह लाख वाले वादे की तरह जुमला ही न करार दे दिया जाए। जो भी हो, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला तो खूब हुआ, लेकिन ममता दीदी और हिमंता बिश्व शर्मा के बीच का वह मुकाबला नहीं हुआ, जिसमें हिमंता ने ममता दीदी को यह चुनौती दी थी कि वह ममता दीदी के सामने बैठकर उनसे एक किलो ज्यादा मछली खा जाएंगे। एक जमाने में नेताओं में मुकाबला यह होता था कि कौन ज्यादा सादा जीवन जीता है, फिर मुकाबला यह होने लगा कि कौन ज्यादा घोटाला करता है और अब मुकाबला यह होने लगा है कि कौन ज्यादा खाएगा। एक मोदीजी हैं जो यह कहते–कहते थक गए कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा। वे दस रुपये की झालमुड़ी खाकर काम चला रहे हैं और एक हिमंता बिश्व शर्मा हैं कि मुकाबले की चुनौती दे रहे हैं कि वे अच्छी से अच्छी और महंगी से महंगी मछली भी ममता दीदी से एक किलो ज्यादा खा सकते हैं। अच्छी बात यह है कि अब चुनाव झालमुड़ी, मछली भक्षण तथा फुटबाल वगैरह पर होने लगे हैं, वरना तो साहब एक जमाना वह भी था, जब चुनाव भूख, गरीबी और बेरोजगारी पर होता था। फिर वह बिजली, सड़क और पानी पर होने लगा–जिसे बीएसपी कहा जाता था। फिर एक वक्त वह भी आया जब मोदीजी चुनावी मुद्दे के रूप में विकास को लेकर आए। लेकिन अब इन सब मुद्दों का कोई मतलब नहीं। झालमुड़ी खाओ, मछली खाओ। राज करो! नहीं क्या?

प्रोजेक्ट और पेटेंट बन गए करिअर की नींव

खासकर सीएसई, आईटी, ईसीई, मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी समझें कि परीक्षाओं में अच्छे अंक लाना तो आवश्यक है, किंतु यही सब कुछ नहीं है। नौकरी बाजार में वही छात्र आगे निकलते हैं जो अपनी पढ़ाई के साथ–साथ नवाचार, शोध और व्यावहारिक कार्यों में भी हाथ आजमाते हैं। एक सशक्त प्रोजेक्ट और एक पेटेंट केवल कागज की उपलब्धियां नहीं हैं ये छात्र की चिंतन, समस्या–समाधान...

सही मायने जो छात्र अपने ज्ञान को नवाचार और व्यावहारिक उपलब्धियों के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं, वे न केवल नियोक्ताओं को बल्कि समाज को भी यह बताते हैं कि भारत का युवा केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि समाधानकर्ता और निर्माता है। आज के प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक और व्यावसायिक परिवेश में केवल डिग्री प्राप्त करना किसी छात्र की योग्यता का पर्याप्त प्रमाण नहीं माना जाता। नियोक्ता अब ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो न केवल पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान से परिचित हों, बल्कि वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं को सुलझाने की दृष्टि व क्षमता भी रखते हों। हाल ही में बी.टेक के कुछ प्रतिभाशाली छात्रों की एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई, जिन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ–साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। एक अत्याधुनिक कृषि–तकनीक परियोजना और एक पेटेंटेड जूते का डिजाइन और इन्हीं उपलब्धियों ने उनके करिअर का मार्ग प्रशस्त किया। पहली उपलब्धि थी एक अनूठी कृषि–तकनीक परियोजना, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) को मशरूम की व्यावसायिक खेती के साथ जोड़ा गया। मशरूम की खेती एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है, जिसमें तापमान, आर्द्रता, प्रकाश व वायु संचरण का सटीक नियंत्रण अनिवार्य होता है। यह कार्य पूरी तरह मानवीय श्रम पर निर्भर था, जिससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ती थी, बल्कि मानवीय चूक से फसल खराब होने का जोखिम भी रहता था। इन छात्रों ने आईओटी सेंसर्स, स्वचालित एक्चुएटर्स और एआई आधारित डेटा विश्लेषण को मिलाकर एक ऐसा स्मार्ट सिस्टम विकसित किया, जो मशरूम

फार्म की पर्यावरणीय परिस्थितियों की रियल–टाइम निगरानी करता है और आवश्यकतानुसार स्वतः समायोजन करता है। इस प्रणाली की उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि इसने मशरूम उत्पादन में मैन्युअल हस्तक्षेप को पचास प्रतिशत तक कम किया। यानी आधी मेहनत, आधी लागत और दोगुनी दक्षता। परियोजना ने न केवल स्थानीय किसानों की उत्पादकता में सुधार का मार्ग दिखाया, बल्कि बताया कि आधुनिक तकनीक कृषि क्षेत्र में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

इस प्रोजेक्ट के दौरान छात्रों ने गहन शोध किया, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाया और तकनीकी बाधाओं को पार कर एक कार्यशील प्रोटोटाइप तैयार किया। परियोजना केवल एक शैक्षणिक अभ्यास नहीं थी कृवरन वास्तविक समस्या का वास्तविक समाधान था, जो उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप था व किसानी जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम था। इसके समानांतर, इन छात्रों ने एक बिल्कुल भिन्न क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। उन्होंने एक विशेष जूते के तलवे का डिजाइन तैयार किया, जो एड़ी की समस्याओं जैसे प्लांटर फेसाइटिस, हील स्पर और दीर्घकालिक एड़ी दर्द से पीड़ित लोगों को अधिकतम आराम और राहत प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह महज एक फुटवियर उत्पाद नहीं, बल्कि स्वास्थ्य–केंद्रित इंजीनियरिंग समाधान है। इस डिजाइन में बायोमेकेनिकल सिद्धांतों का उपयोग करते हुए एड़ी पर पड़ने वाले दबाव को समान रूप से वितरित किया गया है, जिससे चलने–फिरने के दौरान दर्द में खासी कमी आती है। इस डिजाइन की मौलिकता और व्यावसायिक संभावनाओं को देखते हुए छात्रों ने इसके लिए पेटेंट आवेदन दाखिल किया। पेटेंट प्राप्त करना किसी भी इंजीनियरिंग छात्र के लिए एक असाधारण उपलब्धि है, जो आधिकारिक प्रमाण है कि उनका विचार मौलिक, उपयोगी और संरक्षण के योग्य है। इस पेटेंट ने न केवल उनके बौद्धिक योगदान को मान्यता दी, बल्कि उनके रिज़्यूमे को एक ऐसी विशिष्टता प्रदान की, जो किसी भी परीक्षा में अर्जित अंकों से अधिक प्रभावशाली थी। जब ये छात्र नौकरी के लिए साक्षात्कार देने पहुंचे, तो उनके रिज़्यूमे ने साक्षात्कारकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। सामान्यतः फ्रेशर्स से शैक्षणिक ज्ञान की ही अपेक्षा की जाती है, परंतु इन छात्रों के पास इससे कहीं अधिक थाकृ एक सिद्ध परियोजना, जिसने कृषि क्षेत्र में पचास फीसदी श्रम कम किया, और एक पेटेंटेड आविष्कार जो लाखों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता था। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपनी परियोजना की तकनीकी कार्यप्रणाली, विकास के दौरान आई चुनौतियों व समाधान के बारे में विस्तार से बताया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने महसूस किया कि ये युवा न केवल सैद्धांतिक रूप से सक्षम हैं, बल्कि व्यावहारिक समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान ढूंढने की दुर्लभ प्रतिभा भी रखते हैं। उनकी इस बहुआयामी क्षमताकृ जो एआई और आईओटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से लेकर उत्पाद डिजाइन और बौद्धिक संपदा तक फैली हुई थी, ने उन्हें हजारों अन्य उम्मीदवारों की भीड़ में स्पष्ट रूप से अलग और विशिष्ट बना दिया। परिणामस्वरूप, उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों से आकर्षक जॉब ऑफर प्राप्त हुए और उन्होंने एक उज्ज्वल करिअर की नींव रखी। निस्संदेह, यह प्रेरक उदाहरण हर उस छात्र हेतु महत्वपूर्ण संदेश है जो अपने करिअर को लेकर गंभीर हैं।

टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

जहां कांग्रेस का उदय स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ, वहीं भाजपा, माकपा, बसपा और `आप' का उदय उनकी राजनीतिक गतिविधियों के सहारे हुआ। एनपीपी मुख्यतः मेघालय की पार्टी है, जिसका गठन पीए संगमा ने 2013 में किया था। टीवीके की तुलना 1982 में आंध्र प्रदेश में उभरी तेलुगु देशम से की जा सकती है, जिसके पीछे फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव की लोकप्रियता थी। वर्ष 1972 में ...

टीवीके की सफलता के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन–जी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इन्हें नेताओं की जवाबदेही को भी समझना होगा। समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा के नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव–परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों–रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है। तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे–कदम सफलता हासिल की है। वह बेशक पहले ही राउंड में 'यूनीकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफाइनल जैसा लगता है। शायद साल–दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें। टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन–जी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु में सिनेमा और राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नजर में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक–परिपक्वता नहीं। राज्य के मतदाता सत्ता–विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवतः टीवीके का उदय हुआ है। टीवीके संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआई, सीपीआई–एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता–आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक शिक्षा पर जोर देती हैं। भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द–गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द–गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी। वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। एजीपी ने 1985 में अपने गठन के तुरंत बाद असम आंदोलन से जुड़े स्वतंत्र प्रतिनिधियों के समर्थन से सरकार बनाई थी। 1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अनेक दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं। कुछ को समय लगा, जबकि कुछ विफल हो गए। पिछले साल बिहार में जन सुराज पार्टी के साथ ऐसा ही हुआ। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्काल नीधि मय्यम भी ऐसी ही एक पार्टी है। बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी के नेतृत्व वाली प्लूरल्स पार्टी जैसी कई छोटी–छोटी नवगठित पार्टियां हैं। वहीं, जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसी छोटी पार्टियां भी हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं सीमित हैं और वे कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। उ.प्र. में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) जैसी पार्टियां हैं, पर ज्यादातर सीमित जातीय क्षेत्र होने के कारण बड़े स्तर पर जगह नहीं बना पाईं। इस किस्म के प्रयासों की संख्या बहुत बड़ी है। देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो छह राष्ट्रीय पार्टियां हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मई, 2026 तक इनमें भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और आम आदमी पार्टी इस श्रेणी में शामिल हैं।

फिर से धोखा! बातचीत के बीच यूएस ने सेल्फ डिफेंस के नाम पर किया अटैक, ईरान ने फिर क्या किया?

ईरान के बड़े नेता टेबल पर बैठे हैं। दूसरी तरफ उसी वक्त ईरान में धमाकों की खबर आती है। अमेरिका कहता है हमने सेल्फ डिफेंस में हमला किया। यानी एक तरफ शांति की बातचीत दूसरी तरफ हमला। यही इस वक्त वेस्ट एशिया की सबसे बड़ी और ताजी तस्वीर है। अमेरिकी सेना ने 26 मई को कहा कि उसने दक्षिणी ईरान के कुछ ठिकानों पर सेल्फ डिफेंस स्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टीम हॉकिंस के मुताबिक यह हमला अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा के लिए किए गए। अमेरिका का दावा है कि ईरानी फोर्सेस की तरफ से खतरा था। इसलिए मिसाइल लॉन्च साइट्स पर और उन नावों को निशाना बनाया गया जो समुद्र में माइंस यानी कि बारूदी सुरंगे बिछा रही थी। यह हमला दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास में हुआ है। अमेरिका ने यह भी कहा है कि सीजफायर अभी लागू है और वह संयम बरत रहा है।

अमेरिकी पक्ष का कहना है कि उनके किसी सैनिक को नुकसान नहीं पहुंचा है। इसी बीच ईरानी मीडिया ने दक्षिणी शहर बंदर अब्बास में धमाकों की खबर दी। हालांकि ईरान का कहना है कि हालात कंट्रोल में हैं। अभी तक ऑपरेशन कितना बड़ा था, कितनी जगहों पर हमला हुआ इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। यह सब उस समय हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच कतर में बड़ी बातचीत चल रही है। ईरान की तरफ से विदेश मंत्री अब्बास अराची, संसद स्पीकर मोहम्मद बाकिर कालिबा और सेंट्रल बैंक गवर्नर अब्दुल्ला नासिर हिमती दोहा पहुंचे हैं। मकसद है करीब 3 महीने से चल रहे अमेरिका इजराइल बनाम ईरान जंग को खत्म करने के लिए समझौते का रास्ता निकालना। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है या तो ऐसा शानदार समझौता होगा जो सभी के लिए अच्छा हो वरना कोई समझौता नहीं होगा और अगर बात नहीं बनी तो फिर लड़ाई और गोलीबारी दोबारा शुरू हो सकती है। पहले से भी ज्यादा बड़ी और खतरनाक लेकिन ऐसा कोई नहीं चाहता। यह डॉन्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर जो सोशल मीडिया अकाउंट है उनका उससे यह जानकारी दी है। एपी की रपर्ट के मुताबिक

ट्रंप ने एक और ऑफर सामने रखा है। उन्होंने कहा है कि ईरान जंग खत्म करने वाले किसी भी समझौते में कई देशों को अब्राहम एक्स पर साइन करना चाहिए। इनमें सऊदी अरब, पाकिस्तान, कतर, तुर्की, मिस्र और जॉर्डन जैसे देशों का नाम शामिल है।

होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व क्यों है?

होर्मुज जलडमरूमध्य निस्संदेह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है। ईरान और ओमान के बीच स्थित यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है, और तेल समृद्ध मध्य पूर्व को वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाला एकमात्र समुद्री मार्ग है। इस संकरे जलमार्ग से होकर गुजरने वाली ऊर्जा की भारी मात्रा इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाती है। प्रतिदिन लगभग 2 करोड़ बैरल पेट्रोलियम और कच्चे तेल का परिवहन इस जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यह वैश्विक स्तर पर समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का लगभग 25 प्रतिशत है।

अब्राहम समझौते से पाकिस्तान का इनकार, भड़के ट्रंप के सहयोगी, कहा– Mediator की भूमिका संदिग्ध

पाकिस्तान द्वारा अब्राहम समझौते में शामिल होने से इनकार करने के एक दिन बाद, अमेरिकी सीनेटर और डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी लिंडसे ग्राहम ने अमेरिका और ईरान के बीच शांति स्थापित करने के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। ट्रम्प द्वारा युद्धरत वाशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थता के लिए चुने गए पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति की इस मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया कि वह कुछ अन्य मुस्लिम देशों के साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करे और इजराइल को औपचारिक रूप से मान्यता दे। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वह इस्लामाबाद के अब्राहम समझौते में शामिल होने के खिलाफ हैं,

जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने और शुरुआत से ही इजराइल को मान्यता न देने की मुश्किल स्थिति में होने के बावजूद, आसिफ ने स्पष्ट कर दिया कि अपनी बुनियादी विचारधाराओं पर समझौता करना अस्वीकार्य है। रक्षा मंत्री ने समा टीवी को दिए एक साक्षात्कार में इजराइल पर निशाना साधते हुए कहा कि आप उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं जिनके वचन पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता? ग्राहम, जिन्होंने हाल ही में खुद को पाकिस्तान विरोधी के रूप में पेश किया है, ने बताया कि इस्लामाबाद की इजराइल के प्रति ष्लंबे समय से चली आ रही शत्रुताष् को देखते हुए, मध्य पूर्व में शत्रुता को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता का जिम्मा इजराइल को सौंपना बुद्धिमानी नहीं होगी।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि मुझे काफी समय से यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान मध्यस्थ के रूप में बेहद समस्याग्रस्त है। इजराइल के प्रति उनकी शत्रुता बहुत पुरानी है। कैरोलिना के सीनेटर ने कहा कि रक्षा मंत्री की अब्राहम समझौते के बारे में टिप्पणी, जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कभी इसमें शामिल नहीं होगा क्योंकि उसे इजराइल पर भरोसा नहीं हैरू भले ही वीडियो एक साल पुराना हो, लेकिन मुझे डर है कि उनकी भावना अभी भी ताजा है। पाकिस्तान की तटस्थता पर संदेह के बीच, ग्राहम ने अब्राहम समझौते पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव डाला।

पाकिस्तान के शिया कर्मचारियों को धक्के मारकर देश से बाहर निकाल रहा है यूएई, दोनों देशों के रिश्ते और बिगड़े

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के रिश्तों में गहरी दरार दिखाई देने लगी है। हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा हजारों पाकिस्तानी शिया कामगारों को बाहर निकाले जाने की खबरों ने इस तनाव को और गंभीर बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्रों की रिपोर्टों के अनुसार, अमीरात सरकार ने अप्रैल के मध्य से पाकिस्तानी शिया समुदाय के लोगों पर कार्रवाई तेज कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम को पाकिस्तान की विदेश नीति, ईरान और सऊदी अरब के साथ उसके रिश्तों तथा खाड़ी क्षेत्र की बदलती राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

एक प्रमुख अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात पाकिस्तान से इस बात से नाराज है कि उसने ईरान के हमलों की खुलकर निंदा नहीं की। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ईरान ने अमीरात पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। अमीरात चाहता था कि पाकिस्तान खुलकर उसका समर्थन करे, लेकिन इस्लामाबाद ने खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत कराने का प्रयास किया, जिसे अबू धाबी ने अपने हितों के खिलाफ माना।

विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की यही संतुलनकारी नीति अब उसके लिए परेशानी बन गई है। पाकिस्तान एक ओर सऊदी अरब के साथ अपने पुराने और घनिष्ठ रिश्ते बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ भी संबंध खराब नहीं करना चाहता। लेकिन अमीरात को लगने लगा है कि पाकिस्तान ईरान के प्रति नरम रुख अपना रहा है। इसी वजह से अबू धाबी और इस्लामाबाद के बीच अविश्वास बढ़ता जा रहा है।

रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अमीरात में काम कर रहे कई पाकिस्तानी शिया कर्मचारियों को बिना स्पष्ट कारण हिरासत में लिया गया और बाद में उन्हें देश से बाहर भेज दिया गया। पाकिस्तान के भीतर शिया संगठनों का कहना है कि अब तक हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के शिया बहुल गांवों में भी सैकड़ों लोगों के वापस लौटने की जानकारी सामने आई है। कई कामगारों ने आरोप लगाया कि उन्हें कुछ दिनों तक हिरासत में रखने के बाद आपात यात्रा दस्तावेज देकर पाकिस्तान भेज दिया गया।

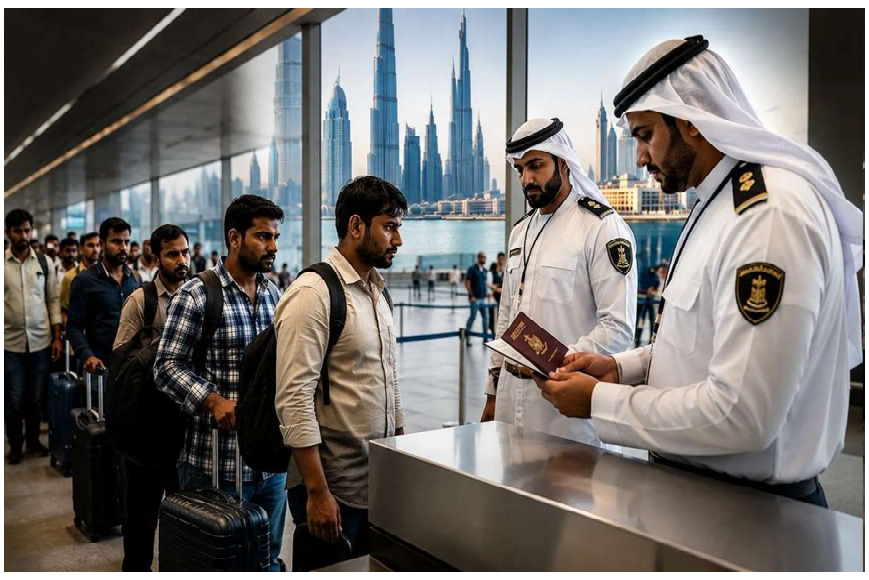

कुछ निर्वासित कामगारों ने कहा कि उन्हें कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। उनका कहना था कि केवल शिया होने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया। वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों से इंकार किया है। मंत्रालय का कहना है कि जिन लोगों को बाहर निकाला गया, वे आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। पाकिस्तान सरकार ने इस मुद्दे पर अमीरात के खिलाफ खुलकर कोई कड़ा बयान नहीं दिया है। इसकी सबसे बड़ी वजह पाकिस्तान की आर्थिक मजबूरी मानी जा रही है। संयुक्त अरब अमीरात पाकिस्तान के लिए बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है। करीब बीस लाख पाकिस्तानी वहां रहकर काम करते हैं और हर साल अरबों डॉलर की रकम अपने देश भेजते हैं। पिछले वर्ष पाकिस्तान को अमीरात से लगभग आठ अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई थी। ऐसे में यदि अमीरात ने वीजा प्रतिबंध, निर्वासन और रोजगार में कटौती जैसे कदम आगे भी जारी रखे, तो पाकिस्तान की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

देखा जाये तो हाल के महीनों में अमीरात का रुख लगातार सख्त होता दिखाई दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, हजारों पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया है और कई लोगों के वीजा नवीनीकरण रोके गए हैं। कुछ विमानन और दूरसंचार कंपनियों ने भी पाकिस्तानी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। अमीरात की प्रमुख दूरसंचार कंपनी द्वारा पाकिस्तान से कारोबार समेटने की संभावना की खबरों ने भी चिंता बढ़ा दी है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में अमीरात ने पाकिस्तान से अपने साढ़े तीन अरब डॉलर के कर्ज की वापसी की मांग कर दी थी। यह रकम पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग पांचवें हिस्से के बराबर है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह झटका बेहद गंभीर माना गया। इसी बीच, सऊदी अरब ने पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर की सहायता दी और पहले से दिए गए पांच अरब डॉलर के कर्ज की अवधि बढ़ाकर इस्लामाबाद को राहत पहुंचाई। इससे यह भी संकेत मिला कि खाड़ी क्षेत्र में पाकिस्तान अब दो प्रमुख शक्तियों के बीच संतुलन बनाने की कठिन चुनौती का सामना कर रहा है।

दूसरी ओर, विश्लेषकों का कहना है कि यह विवाद केवल सांप्रदायिक मुद्दा नहीं है, बल्कि इसके पीछे व्यापक भू राजनीतिक कारण भी हैं। पाकिस्तान की शिया आबादी के ईरान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं, जिससे खाड़ी देशों में संदेह का माहौल पैदा होता है। उधर, सऊदी अरब और अमीरात के रिश्तों में आई दूरी ने भी पाकिस्तान की स्थिति को कठिन बना दिया है। अमीरात को यह भी चिंता है कि पाकिस्तान और सऊदी अरब की बढ़ती नजदीकी उसके हितों को प्रभावित कर सकती है। बहरहाल, इस पूरे घटनाक्रम ने पाकिस्तान की विदेश नीति के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। एक तरफ उसे अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए खाड़ी देशों की मदद चाहिए, वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय संघर्षों में तटस्थ बने रहना भी उसके लिए जरूरी है। लेकिन मौजूदा हालात में पाकिस्तान का यह संतुलनकारी प्रयास उलटा पड़ता दिखाई दे रहा है। आने वाले महीनों में यदि अमीरात और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, रोजगार और सामाजिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

जो बाइडेन के गोपनीय दस्तावेजों में ऐसा क्या? पब्लिक होने से रोकने के लिए न्यायपालिका समिति पर केस

पूर्व डेमोक्रेटिक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को

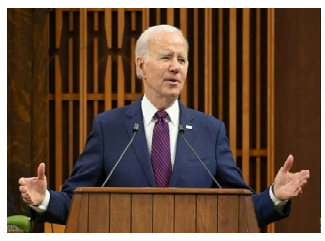

अमेरिकी न्याय विभाग पर मुकदमा दायर कर 2016 और 2017 में अपने जीवनी लेखक के साथ हुई निजी बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग और ट्रांसक्रिप्ट जारी करने पर रोक लगाने की मांग की। वाशिंगटन डीसी स्थित संघीय अदालत में दायर यह मुकदमा, न्याय विभाग द्वारा 15 जून को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका समिति और रूढ़िवादी हेरिटेज फाउंडेशन को ये सामग्री जारी करने की योजना से पहले आया है। तत्कालीन विशेष वकील रॉबर्ट हर द्वारा 2023 में बाइडन के गोपनीय दस्तावेजों के प्रबंधन की जांच के दौरान इन दस्तावेजों का इस्तेमाल किए जाने के बाद फाउंडेशन ने इन्हें हासिल करने की मांग की थी। हर ने आपराधिक आरोप लगाने से इनकार कर दिया था। मुकदमे में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार संभालने तक विभाग ने हेरिटेज फाउंडेशन के 2024 में रिकॉर्ड जारी करने के अनुरोध का यह कहकर विरोध किया कि यह सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम के दायरे से बाहर है। विभाग ने समिति के अनुरोध के जवाब में रिकॉर्ड जारी करने की घोषणा की, जिसके बारे में मुकदमे में दावा किया गया है कि यह केवल रिकॉर्ड जारी करने पर रोक लगाने वाले संघीय कानून से बचने का एक तरीका है। मुकदमे में अदालत से समिति के अनुरोध को बहाना और अमान्य घोषित करने और समिति को रिकॉर्ड जारी करने पर स्थायी रूप से रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। न्याय विभाग के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बाइडेन के घर में रिकॉर्ड की गई ये रिकॉर्डिंग उनकी 2017 की आत्मकथा ष्ऑमिस मी, डैडरू ए ईयर ऑफ होप, हार्डशिप, एंड पर्पसष् के लेखन प्रक्रिया का हिस्सा थीं, जिसमें बाइडेन के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के फैसले का विस्तार से वर्णन किया गया है, जबकि उनके सबसे बड़े बेटे ब्यू मस्तिष्क कैंसर से जूझ रहे थे।

इजरायल की भारत से बड़ी मांग, ईरान के आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित कर लगाएं प्रतिबंध

क्षेत्रीय तनाव और ईरान के साथ नाजुक संघर्ष विराम के बीच, यरुशलम स्थित वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों ने भारत से ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) को आतंकवादी संगठन घोषित करने और उस पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। इजरायल के विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान, इजरायली अधिकारियों ने बताया कि इजरायल ने नई दिल्ली के समक्ष आईआरजीसी की बढ़ती क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति पर चिंता व्यक्त की है, जिसमें पश्चिम एशिया से परे कथित खतरे भी शामिल हैं। इजरायली अधिकारियों ने बताया कि कई देशों ने पहले ही आईआरजीसी के खिलाफ कार्रवाई की है और उन्हें उम्मीद है कि भारत भी इसी तरह के कदम उठाने पर विचार करेगा। उनके अनुसार, इजरायल ने कई राजनयिक स्तरों पर भारतीय समकक्षों के साथ ईरानी सैन्य संगठन की गतिविधियों और प्रभाव के बारे में अपने आकलन साझा

किए हैं। बातचीत के दौरान एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी ने कहा कि भारत से हमारी अपेक्षाओं में से एक आईआरजीसी के खिलाफ कार्रवाई है। कई देश पहले ही इस दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं। इजरायली अधिकारियों ने ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों द्वारा हाल ही में उठाए गए उन कदमों का भी जिक्र किया, जिनमें आईआरजीसी से संबंधित प्रतिबंध और पाबंदियां लगाई गई थीं। उन्होंने तर्क दिया कि इस संगठन को लेकर चिंताएं अब केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक व्यापक वैश्विक सुरक्षा बहस का हिस्सा बन गई हैं। यह मुद्दा तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब भारत इजरायल और ईरान दोनों के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखता है। इसी महीने की शुरुआत में, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भारत का दौरा किया और नई दिल्ली और तेहरान के बीच संबंधों को मजबूत और दीर्घकालिक बताया।

इजरायली अधिकारियों ने ईरान, इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष में आईआरजीसी (हमास आतंकवादी संगठन) की भूमिका बताई। अप्रैल से ही एक नाजुक युद्धविराम लागू है, जो कई हफ्तों तक चले सैन्य तनाव के बाद कायम है, जिसने वैश्विक बाजारों और क्षेत्र के ऊर्जा मार्गों को प्रभावित किया है। अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि 7 अक्टूबर 2023 के हमलों के बाद इजराइल ने हमास को लेकर भारत के समक्ष चिंताएं व्यक्त की हैं। भारत ने इन हमलों की कड़ी निंदा की, लेकिन नई दिल्ली ने अभी तक हमास या आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित नहीं किया है। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि आईआरजीसी को कमजोर करना ईरान से जुड़े इजराइल के सैन्य अभियानों और राजनयिक प्रयासों के प्रमुख रणनीतिक उद्देश्यों में से एक है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में यूएस का हमला, ईरान का बड़ा आरोप–अमेरिका ने तोड़ा युद्धविराम

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका द्वारा किए गए नए हमलों की ईरान ने कड़ी निंदा की है। इन हमलों से नाजुक युद्धविराम के टूटने और संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रही वार्ताओं के जटिल होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संघर्ष ने वैश्विक तेल आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता को बाधित किया है। होर्मोजगान प्रांत में हुए हमलों के बाद, ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका पर लगभग सात सप्ताह पुराने युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। ईरानी मीडिया ने क्षेत्र में विस्फोटों की सूचना दी, जबकि वाशिंगटन ने इस कार्रवाई को रक्षात्मक बताते हुए कहा कि इसमें मिसाइल ठिकानों और उन नौकाओं को निशाना बनाया गया था जो कथित तौर पर इस रणनीतिक जलमार्ग के पास नौसैनिक खदानें बिछाने का प्रयास कर रही थीं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा

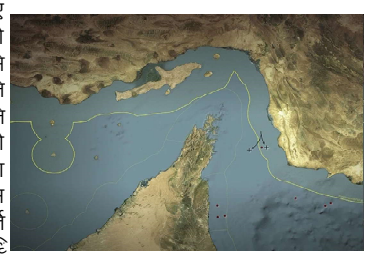

कि व्यापक समझौते को सुरक्षित करने के लिए बातचीत में अभी भी ष्कुछ दिनष् लग सकते हैं, हालांकि तेहरान और वाशिंगटन के बीच शत्रुता को रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से समुद्री यातायात को बहाल करने के उद्देश्य से प्रारंभिक ढांचे पर प्रगति के संकेत मिले थे।

जमे हुए धन का मुद्दा प्रमुख अड़चन बनकर उभरा

प्रस्तावित प्रारंभिक समझौते के तहत, समुद्री मार्गों को फिर से खोलने और पूरे क्षेत्र में लड़ाई कम करने के लिए 30 दिन का ढांचा तैयार किया जाएगा, जबकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे अधिक जटिल मुद्दों को बाद की वार्ताओं के लिए छोड़ दिया जाएगा। ईरानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी वार्ताकार समझौते के तहत लगभग 24 अरब डॉलर की जमे हुए ईरानी संपत्तियों की रिहाई की भी मांग कर रहे हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि यह मुद्दा तेहरान और वाशिंगटन के बीच समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने के प्रयासों में मुख्य अनसुलझी बाधा बनकर उभरा है। ईरान लेबनान में भी संघर्ष समाप्त करने के लिए दबाव बना रहा है, जहां अप्रैल में हुए युद्धविराम के बावजूद इजरायली सेना और हिजबुल्लाह आतंकवादियों के बीच लड़ाई जारी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव का तेल बाजारों पर असर

फरवरी के अंत में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुए इस संघर्ष ने ऊर्जा बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से यातायात – जो वैश्विक तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस व्यापार के लगभग पांचवें हिस्से का प्रमुख मार्ग है – सामान्य स्तर से काफी नीचे बना हुआ है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि पिछले 24 घंटों में 25 तेल टैंकर और वाणिज्यिक जहाज ईरानी अनुमति से जलडमरूमध्य से गुजरे। हालांकि, गार्ड्स द्वारा यह दावा करने के बाद तनाव और बढ़ गया कि ईरानी वायु रक्षा ने एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया और खाड़ी क्षेत्र में एक अन्य ड्रोन और एक लड़ाकू विमान को निशाना बनाया। वैश्विक तेल बाजारों ने इस पर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 3.5 प्रतिशत बढ़कर लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, क्योंकि आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की आशंका थी।

24 घंटे में खुला भैंस चोरी का मामला, तीन आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती/बलरामपुर। थाना कोतवाली भिनगा और थाना ललिया पुलिस की संयुक्त टीम ने भैंस चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो भैंस, एक पड़िया, घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन, मोटरसाइकिल और बिक्री के 7,300 रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर भरत पासवान

के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह के नेतृत्व में कोतवाली भिनगा और थाना ललिया की संयुक्त पुलिस टीम ने ग्राम गोपालपुरवा, लक्ष्मणपुर चौकी क्षेत्र से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 26 मई को साहियापुर निवासी रामआसरे विश्वकर्मा ने कोतवाली भिनगा में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उनकी तथा रामसुन्दर गोस्वामी की तीन भैंस चोरी कर ले गए हैं। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने अजय कुमार यादव निवासी कौवापुर, जीवनलाल गोस्वामी निवासी सहियापुर और मंगलेश्वर यादव निवासी कौवापुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने चोरी की गई दो भैंस, एक पड़िया, एक पिकअप, एक मोटरसाइकिल और 7,300 रुपये बरामद किए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया है।

मोतीपुर तहसील में शोपीस बना वॉटर कूलर, भीषण गर्मी में प्यासे लौट रहे फरियादी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले की बहुचर्चित मोतीपुर तहसील में आमजन की सुविधाओं को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। भीषण गर्मी के बीच तहसील परिसर में लगाया गया वॉटर कूलर शोपीस बनकर रह गया है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और फरियादी अपने विभिन्न कार्यों के लिए तहसील मुख्यालय पहुंचते हैं, लेकिन पीने के पानी की समुचित व्यवस्था न होने से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। तहसील परिसर में लगा वॉटर कूलर पूरी तरह सूखा पड़ा हुआ है। कूलर से जुड़ा पानी का पाइप भी अलग पड़ा है, जिससे साफ जाहिर होता है कि लंबे समय से इसकी मरम्मत तक नहीं कराई गई। भीषण गर्मी में लोगों को राहत देने के लिए लगाया गया यह वॉटर कूलर अब केवल बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आमजन की मूलभूत सुविधाओं की ओर नहीं जा रहा है। तहसील

परिसर में आने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और दूरदराज से पहुंचे ग्रामीण पीने के पानी के लिए इधर–उधर भटकने को मजबूर हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन तहसील परिसर में खराब पड़े वॉटर कूलर और अवैध खनन के मामलों को कितनी गंभीरता से लेता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पयागपुर नगर इकाई का पुनर्गठन संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) पयागपुर नगर इकाई का पुनर्गठन कार्यक्रम ब्लॉक सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रांत जनजातीय कार्य संयोजक आदर्श शुक्ला, पूर्व जिला सहसंयोजक आशुतोष मिश्रा एवं नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा उपस्थित रहे। चुनाव अधिकारी द्वारा वर्ष 2025–26 की पुरानी इकाई को भंग करते हुए नई नगर इकाई की घोषणा की गई। नई इकाई में डॉ. संतोष सिंह को नगर अध्यक्ष तथा आदर्श शुक्ला को नगर मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही शिव तिवारी, सिद्धार्थ चौधरी, कविता, मुमताज हुसैन, मोहित गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ताओं को विभिन्न दायित्व प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत बनाने एवं छात्र हितों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। थाना खैरीघाट पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर मुख्यमंत्री के फोटो के साथ कथित रूप से अभद्र टिप्पणी करने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वादी द्वारा सूचना दी गई थी कि राजकुमार वर्मा पुत्र सियाराम वर्मा निवासी थैलिया थाना खैरीघाट जनपद बहराइच ने अपनी फेसबुक आईडी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो गलत तरीके से प्रस्तुत कर अमर्यादित टिप्पणी की। आरोप है कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर समाज में घृणा

एवं वैमनस्य फैलाने का प्रयास किया गया। इस मामले में थाना खैरीघाट पर दिनांक 27 मई 2026 को मु0अ0सं0 186/2026 धारा 353(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने बुधवार को अभियुक्त राजकुमार वर्मा (48 वर्ष) को ग्राम थैलिया चौराहे से करीब 1रू10 बजे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय भेज दिया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मनोज यादव, हेड कांस्टेबल अरविन्द राव, कांस्टेबल मोहम्मद अबरार एवं पीआरडी त्रिलोकी वर्मा शामिल रहे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोक निर्माण विभाग की कार्ययोजना बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग की वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्ययोजना के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कल आयोजित की गई। बैठक में शासन की मंशानुरूप 150 से अधिक आबादी वाले अनजुड़े मजरों को पक्के मार्गों से जोड़ने तथा अवशेष लघु सेतु, सड़क एवं अन्य निर्माण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राज्य मंत्री समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति उत्तर प्रदेश सरकार संजीव कुमार सिंह गौंड, विधायक सदर भूपेश चौबे, विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, सदस्य विधान परिषद विनीत सिंह सहित लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, निर्माण खण्ड एवं निर्माण खण्ड–2 उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि जनपद के सभी पात्र मजरे पक्के मार्गों से जोड़े जाएं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में निर्णय लिया गया कि विधानसभावार ऐसे सभी मजरे जिनकी आबादी 150 से अधिक है और जो अब तक सड़क संपर्क से वंचित हैं, उन्हें कार्ययोजना में प्राथमिकता के आधार पर सम्मिलित किया जाएगा। इसके लिए मा० जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर अवशेष सड़क, लघु सेतु एवं अन्य प्रस्तावों की सूची प्राप्त की जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि। मुख्यमंत्री के जनपद भ्रमण के दौरान दिये गए निर्देश के क्रम में 150 से अधिक आबादी वाले वाले मजरों को सूची मैं प्रत्येक दशा में कार्ययोजना में सम्मिलित करने के निर्देश संबंधित अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को दिए गए । बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कार्ययोजना को सफल बनाने हेतु सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

बढ़नीचाफा चेयरमैन पर अभद्र टिप्पणी को लेकर लोगों में आक्रोश, केस दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नीचाफा के चेयरमैन धर्मराज वर्मा के खिलाफ सोशल मीडिया पर लगातार अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय नागरिकों और चेयरमैन समर्थकों ने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए भवानीगंज थाना पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, भवानीगंज थाना क्षेत्र के बढ़नीचाफा निवासी प्रमोद पुत्र धुवराज ने थानाध्यक्ष को लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया है कि भूर्डीह निवासी अनिल पटेल पुत्र स्वर्गीय हृदयराम सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लगातार नगर पंचायत चेयरमैन धर्मराज वर्मा के खिलाफ अभद्र भाषा और आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी जानबूझकर चेयरमैन धर्मराज वर्मा और उनके परिवार की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। सोशल मीडिया पर किए जा रहे पोस्ट और टिप्पणियों से चेयरमैन की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे समर्थकों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। तहरीर में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी ने चेयरमैन की मां, बहन और दिवंगत पिता के संबंध में भी अत्यंत आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है। इतना ही नहीं, पीड़ित पक्ष ने आरोपी पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी की गतिविधियों से क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका उत्पन्न हो गई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद भवानीगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट, कमेंट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। इस संबंध में भवानीगंज थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद चेयरमैन समर्थकों और स्थानीय नागरिकों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना गलत है और ऐसे मामलों में प्रशासन को कठोर कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शराबी पति ने गमछा से पत्नी का गला दबाकर उतारा मौत के घाट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर थाना अंतर्गत खड़िया बाजार में बुधवार देर रात घरेलू विवाद में पति ने गमछा से पत्नी का गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकार पिपरी हर्ष पांडेय व थाना प्रभारी सत्येंद्र राय ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दिया हैं।उधर मृतका आशा देवी की मां फूलमती की तहरीर पर पुलिस ने फरार दामाद महेंद्र गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दिया है। पुलिस के मुताबिक मृतका की मां फूलमती ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि दामाद महेंद्र गुप्ता आए दिन शराब पीकर बेटी को मारता पीटता था। बुधवार देर रात किसी बात को लेकर पति–पत्नी में विवाद हुआ। इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से जमकर नोक झोक हुआ। जिससे गुस्साए पति ने गमछा के सहारे पत्नी का गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया।पुलिस ने बताया कि पति–पत्नी खड़िया बाजार निवासी प्रेम प्रकाश गुप्ता के मकान में भाड़े पर रहते हैं। पुलिस ने शव कों कब्जे में लेकर पीएम कें लिए दुद्धि रवाना कर जाँच पड़ताल में जुट गयी है।

अवैध रूप से काटे गए कत्था और सागौन का जुर्माना जमा करने का निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर वन रेंज के कठौंधी में बीते माह परमिट की आड़ में काटे गए सैकड़ों पेड़ सागौन और पिछले सप्ताह कत्था के पेड़ की अवैध कटान तथा नागराज में दो दर्जन कत्था के पेड़ो की कटान को लेकर डीएफओ कमल कुमार ने बिट प्रभारियों को कड़ी फटकार लगाई है।और कटे पेड़ो का जुर्माना दो दिन में जमा कराने का निर्देश दिया है।और कहा है कि जुर्माना जमा ना करने पर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। जिससे कटान कर्ताओं और वन कर्मियों में खलबली मच गई है।विभागीय सूत्रों ने बताया कि डीएफओ ने वन रेंज के कर्मियों और वन दरोगा को तलब कर कड़ी फटकार लगाई है।कहा है कि आगे अवैध कटान की शिकायत मिली तो जिम्मेदारों पर कार्यवाही की जाएगी। बताया जा रहा कि उपरोक्त दोनों स्थानों पर कटे पेड़ो को लेकर ग्रामीण वन कर्मियों पर सवाल उठा रहे है और आरोप लगा रहे है कि कथित तस्करों से पैसा लेकर अवैध रूप से कटान की मौन सहमति दी थी।एक ठेकेदार ने तो मीडिया के सामने ही कह डाला कि जब परमिट के दौरान पैसा ज्यादा लिया जाता है तो अनुमति से ज्यादा पेड़ काटना मजबूरी हो जाता है। कठौंधी में तो परमिट वाले क्षेत्र में एक वन दरोगा ने अपने कर्मियों को जाने से भी मना कर दिया था जिससे अवैध कटान की पोल न खुल जाए।डीएफओ के फरमान का क्या असर होता है यह आने वाला समय ही बताएगा ।

फंदे से लटकता मिला चौकीदार के बेटे का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के देईसाड़ गांव में मंगलवार देर रात एक चौकीदार के 18 वर्षीय बेटे का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, लालगंज थाने में तैनात चौकीदार रामआशीष का बेटा श्याम बाहर नौकरी करता था और करीब 15 दिन पहले ही घर आया था। घर से लगभग 300 मीटर दूर खेत में फसल की सुरक्षा के लिए बनाए गए छप्पर में वह अक्सर सोने जाता था। बताया गया कि मंगलवार रात परिवार के लोग एक रिश्तेदारी में शादी समारोह में गए हुए थे। रात में भोजन करने के बाद श्याम खेत में सोने चला गया। देर रात करीब 11 बजे वह दोबारा घर आया और मां आरती देवी से कहा कि पिता के आने पर उन्हें खेत भेज देना। इसके बाद वह वापस छप्पर की ओर चला गया। रात करीब 12:30 बजे जब उसके पिता रामआशीष खेत पहुंचे तो उन्होंने देखा कि श्याम दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका हुआ है। यह देखकर उनके होश उड़ गए। आनन–फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी विनय कुमार पाठक ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रात में नहीं मिल रही बिजली, गर्मी से बिलबिलाए लोग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भीषण गर्मी के बीच जिले में लगातार हो रही बिजली कटौती से आमजन का जीना मुश्किल हो गया है। शहर में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दावे पूरी तरह फेल नजर आ रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें नियमित रूप से 15 से 18 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी खराब बनी हुई है। शहर के पिकौरा शिवगुलाम, मंगला कॉलोनी, रंजीत कॉलोनी, लैबुड़वा कॉलोनी और पिकौरा बख्श समेत कई मोहल्लों में मंगलवार रात करीब 10 बजे बिजली गुल हो गई। करीब पांच घंटे बाद रात तीन बजे बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी।

उमस भरी गर्मी में लोग पूरी रात परेशान रहे और कई लोग छतों तथा घरों के बाहर टहलते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार–बार बिजली कटने से इनवर्टर भी जवाब दे रहे हैं।

छोटे बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं। पिकौरा शिवगुलाम निवासी प्रकाश ने बताया कि दिनभर की थकान के बाद रात में भी चौन की नींद नहीं मिल पा रही है। वहीं आवास विकास मोहल्ले के संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि उनके इलाके में रातभर कई बार बिजली कट रही है, जिससे लोग बेहद परेशान हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और गंभीर बताए जा रहे हैं।

रुधौली, सल्टौआ, भानपुर, दुबौलिया, कलवारी और नगर उपकेंद्र से जुड़े सैकड़ों गांवों में बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित है। कई गांवों में दो से तीन दिन तक बिजली नहीं आने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बिजली संकट को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग से तत्काल व्यवस्था सुधारने और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

घायलों को बचाने गए युवक को सरकारी बस ने रौंदा, एक घायल की भी मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

मेंहदावल/बस्ती। मेंहदावल थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल युवकों की मदद करने गए एक युवक की सरकारी बस की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं हादसे में घायल एक अन्य युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, देहवा निवासी आनंद गुप्ता (22) और आदित्य निषाद (21) सोमवार रात बाइक से गोरखपुर जा रहे थे। बनकसही गांव के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दौरान सरसैया निवासी सूरज (22) वहां पहुंचा और घायलों की मदद करने लगा। तभी बस्ती से गोरखपुर जा रही तेज रफ्तार सरकारी बस ने सूरज को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां आदित्य निषाद की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। आनंद गुप्ता का इलाज जारी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद बस चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरयू घाट की दुर्दशा को लेकर साधु-संत समाज में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। जनपद गोंडा के कर्नलगंज तहसील अंतर्गत परसपुर ब्लॉक के भंवरीगंज स्थित पवित्र सरयू नदी घाट की बदहाल स्थिति को लेकर साधु–संत समाज और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घाट पर फैली गंदगी, अव्यवस्थित जल निकासी और प्रदूषण की समस्या को लेकर संत समाज ने आंदोलन का रास्ता अपनाते हुए अनशन शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों और संत समाज का आरोप है कि सरयू नदी पुल के नीचे बड़े–बड़े बोल्डर और मलबा डाले जाने के कारण नदी के जल प्रवाह पर असर पड़ा है। वहीं भंवरीगंज बाजार का गंदा नाला सीधे सरयू नदी में गिराया जा रहा है, जिससे नदी का जल प्रदूषित और दूषित होता जा रहा है। लगातार बढ़ती गंदगी के कारण घाट पर स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि वर्तमान समय में मलमास का पावन पर्व चल रहा है, जिसके चलते दूर–दराज के गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू स्नान के लिए घाट पर पहुंच रहे हैं। लेकिन घाट की बदहाल स्थिति और चारों ओर फैली गंदगी श्रद्धालुओं की आस्था को आहत कर रही है। इस गंभीर समस्या को लेकर बाबा गोकर्ण दास फलाहारी बाबा के नेतृत्व में कई संत–महात्मा और क्षेत्रीय नागरिक अनशन पर बैठ गए हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक घाट की नियमित सफाई, नाले की समुचित व्यवस्था और नदी के जल प्रवाह को सुचारु नहीं किया जाएगा, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घाट पर सफाई कर्मचारियों की कोई नियमित तैनाती नहीं है और जनप्रतिनिधि भी इस गंभीर समस्या को लेकर मौन बने हुए हैं। लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर घाट की साफ–सफाई सुनिश्चित कराने, प्रदूषण रोकने और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। संत समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भंवरीगंज सरयू घाट पर गंदगी से संत समाज में रोष, आमरण अनशन शुरू

नदी में गिर रहे गंदे नाले और प्रदूषण से श्रद्धालुओं को हो रही परेशानी

कर्नलगंज/गोंडा। कर्नलगंज तहसील क्षेत्र के परसपुर ब्लॉक अंतर्गत भंवरीगंज स्थित पवित्र सरयू नदी घाट की बदहाल स्थिति को लेकर संत समाज और स्थानीय नागरिकों में भारी रोष व्याप्त है। घाट पर फैली गंदगी, नदी में गिरते गंदे नाले और प्रदूषित हो रहे जल प्रवाह के विरोध में संत–महात्माओं ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, प्रसिद्ध संत बाबा गोकर्ण दास फलाहारी बाबा ने आरोप लगाया है कि सरयू नदी पुल के नीचे बड़े–बड़े बोल्डर और मलबा डाल दिए जाने से नदी का प्राकृतिक जल प्रवाह प्रभावित हो गया है। वहीं भंवरीगंज बाजार का गंदा नाला सीधे पवित्र सरयू नदी में गिराया जा रहा है, जिससे नदी का जल लगातार प्रदूषित और जहरीला होता जा रहा है। संत समाज का कहना है कि नदी में बढ़ती गंदगी और प्रदूषण के कारण घाट पर स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घाट की अव्यवस्था और दुर्गंध के कारण धार्मिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। वर्तमान समय में मलमास का पावन पर्व चल रहा है, जिसके चलते दूर–दराज के गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू स्नान के लिए घाट पर पहुंच रहे हैं, लेकिन घाट की बदहाल स्थिति देखकर उनमें भी नाराजगी देखी जा रही है। इसी समस्या को लेकर बाबा गोकर्ण दास फलाहारी बाबा के नेतृत्व में कई संत–महात्मा और क्षेत्रीय नागरिक आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक घाट की समुचित सफाई, गंदे नालों की व्यवस्था और नदी के जल प्रवाह को सुचारु नहीं किया जाएगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। संत समाज और स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि बार–बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि घाट पर सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है और जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या को लेकर उदासीन बने हुए हैं।

आंदोलनकारियों ने प्रशासन से तत्काल घाट की सफाई कराने, गंदे नालों को नदी में गिरने से रोकने तथा श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पशुओं का नहीं हो रहा समुचित इलाज

कटराबाजार/गोंडा। प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित गोवंशों के संरक्षण और देखभाल के लिए लाखों रुपये खर्च कर गोआश्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। जनपद गोंडा के विभिन्न गोशालाओं में बीमार और मरनासन्न गोवंशों की हालत बेहद दयनीय बनी हुई है। समय पर इलाज और समुचित देखभाल न मिलने के कारण लगातार गोवंशों की मौत होने के आरोप सामने आ रहे हैं। हाल ही में क्षेत्र के विभिन्न गोआश्रय केंद्रों का निरीक्षण किए जाने पर कई गंभीर अव्यवस्थाएं उजागर हुई हैं। बताया जा रहा है कि नकहा गोआश्रय केंद्र की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक पाई गई, जहां एक गोवंश कई दिनों से गंभीर रूप से बीमार अवस्था में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर इलाज न मिलने के कारण उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि गोवंशों के चारे और पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कई स्थानों पर गोवंशों के नांद में सूखी और सड़ी हुई घास पाई गई। वहीं गोशालाओं में साफ–सफाई की स्थिति भी बेहद खराब मिली। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई गोशालाओं में पशुओं की देखरेख केवल कागजों तक सीमित है, जबकि धरातल पर व्यवस्थाएं बदहाल बनी हुई हैं। पशु चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि गोशालाओं में लगातार बीमार पशुओं के उपचार के लिए चिकित्सकीय टीमें भेजी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी और मौसम में बदलाव के कारण पशुओं पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। विभाग द्वारा गोवंशों के लिए दवाइयों, चारे और पानी की समुचित व्यवस्था कराने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते गोशालाओं की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में और अधिक गोवंशों की मौत हो सकती है। लोगों ने जिला प्रशासन से गोशालाओं की नियमित जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों और पशु प्रेमियों का कहना है कि गोवंशों की सुरक्षा और देखभाल केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि धरातल पर प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि बेजुबान पशुओं को समय पर इलाज और बेहतर संरक्षण मिल सके।

कोयंबटूर में आईएएमई सीरीज इंडिया कार्टिंग का आगाज, एफ 1 रेसर नरेन कार्तिकेयन के बेटे पर टिकी सबकी निगाहें

आईएएमई कार्टिंग की प्रतियोगिता आईएएमई सीरीज इंडिया में भारत के पहले एफवन ड्राइवर नरेन कार्तिकेयन के बेटे शिव नील पर सबकी नजर रहेगी। आरए मोटरस्पोर्ट्स इस प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है जिसमें पांच राउंड होंगे। इस सीरीज का पहला राउंड 31 मई को यहां सीओएएसटीटी सर्किट में होगा, जिसमें 34 प्रतिभागी भाग लेंगे। आईएएमई का का पूरा नाम इटालियन अमेरिकी मोटर इंजीनियरिंग है।

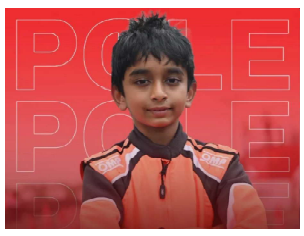

जिसमें खिलाड़ी मिनी अंडर10, मिनी (एक्स30 वाटर स्विफ्ट 60सीसी इंजन), जूनियर (125सीसी जूनियर एक्स30 इंजन) और सीनियर (125सीसी सीनियर एक्स30 इंजन) वर्गों में हिस्सा लेंगे। नील के अलावा रेहान खान रशीद और आरुतरन प्रभु (एशिया–प्रशांत चौंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता) भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

इस सीरीज का दूसरा चरण भी 28 जून को कोयंबटूर में होगा। इसके बाद तीसरा और चौथा चरण क्रमशः 31 जुलाई और दो अगस्त को चेन्नई में खेले जाएंगे। ग्रैंड फिनाले (पांचवां राउंड) 30 अगस्त को बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा।

मलारी में आरएसएम वाटर पार्क का भव्य शुभारंभ

गोंडा। जनपद गोंडा के मुजेहना ब्लॉक क्षेत्र स्थित मलारी ग्राम सभा में मंगलवार को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आरएसएम वाटर पार्क का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह एवं डॉ. अमित पांडेय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर वाटर पार्क का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। वाटर पार्क के उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। पहले दिन आम जनता के लिए प्रवेश निशुल्क रखा गया था, जिसके चलते सुबह से ही महिलाओं, बच्चों और युवाओं की भारी भीड़ पार्क में उमड़ पड़ी। लोगों ने विभिन्न वाटर राइड्स, झूलों और मनोरंजन गतिविधियों का जमकर आनंद लिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने कहा कि ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में इस प्रकार की आधुनिक मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध होना क्षेत्र के विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल लोगों को मनोरंजन का बेहतर विकल्प मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने वाटर पार्क प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। वाटर पार्क परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यहां बच्चों और युवाओं के लिए कई प्रकार की आकर्षक वाटर स्लाइड्स एवं मनोरंजन झूले लगाए गए हैं। पार्क प्रबंधन के अनुसार लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यहां 17 प्रशिक्षित लाइफ गार्ड तैनात किए गए हैं, जो हर समय निगरानी करेंगे। इसके अलावा महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग–अलग चेंजिंग रूम और स्नान सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। पार्क में स्वच्छता व्यवस्था को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। सभी वाटर पूल में पानी को साफ रखने के लिए फिल्टर सिस्टम लगाए गए हैं। वहीं गंदे पानी की निकासी के लिए पार्क परिसर के बाहर विशेष तालाब का निर्माण कराया गया है, ताकि पर्यावरण पर किसी प्रकार का नकारात्मक प्रभाव न पड़े। मनोरंजन के साथ–साथ खानपान की बेहतर व्यवस्था भी पार्क में की गई है। परिसर में रेस्टोरेंट एवं फूड जोन बनाए गए हैं, जहां आने वाले लोग विभिन्न व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। उद्घाटन अवसर पर आयोजित भंडारे में भी बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पार्क प्रबंधन ने बताया कि वाटर पार्क प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा। रविवार को प्रवेश शुल्क 500 रुपये तथा अन्य दिनों में 400 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है। वहीं 3 फीट से कम ऊंचाई वाले बच्चों के लिए प्रवेश पूरी तरह निशुल्क रखा गया है। आरएसएम वाटर पार्क के प्रबंधक श्री मिश्रा ने बताया कि जिले में पहली बार इस स्तर का आधुनिक वाटर पार्क तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को गर्मी के मौसम में परिवार और मित्रों के साथ सुरक्षित वातावरण में मनोरंजन का अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में पार्क में और भी नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

रूस ने यूक्रेन वॉर में जबरन फौजी बनाया, 49 भारतीयों की मौत

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने बताया है कि रूस यूक्रेन जंग में फंसे 217 भारतीयों में से 49 की मौत हो चुकी है। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक रूस यूक्रेन जंग में फंसे भारतीयों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार 22 मई को बड़ी सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि अब तक 217 भारतीय नागरिक रूसी सेना में शामिल हुए थे। इनमें से 149 लोगों को कॉन्ट्रैक्ट से छुड़ा लिया गया है। सरकार ने यह भी बताया कि 49 भारतीयों की इस युद्ध में मौत हो चुकी है। जबकि छह लोग अब भी लापता हैं।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच सुनवाई कर रही थी। केंद्र सरकार की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी पेश हुई। उन्होंने कोर्ट को बताया कि जिन 26 भारतीयों के परिवार सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे उनमें से 14 लोगों की मौत हो चुकी है। 11 लोग अभी भी लापता हैं। वहीं एक भारतीय रूस में किसी आपराधिक मामले में जेल में बंद है। सरकार ने यह भी दावा किया कि अब तक आठ लोगों के शव उनके परिवारों तक पहुंचाए जा चुके हैं। लेकिन

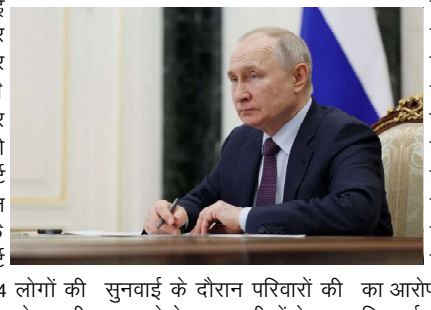

सुनवाई के दौरान परिवारों की तरफ से पेश हुए वकीलों ने बड़ा सवाल उठाया। रपर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि जो शव भेजे गए हैं उनकी पहचान करना मुश्किल है क्योंकि हालत इतनी खराब है कि उन्हें पहचान पाना लगभग नामुमकिन है। इस पर केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि परिवारों से डीएनए सैंपल जुटाने में मदद की जा रही है ताकि शवों की सही पहचान हो सके। वकील ने यह भी मांग की कि उन एजेंटों पर कारवाई हो जिन पर युवाओं को रूस भेजने का आरोप है। आरोप यह भी है कि कई युवाओं को फर्जी वादों और गलत जानकारी के जरिए रूस पहुंचाया गया। जहां बाद में उन्हें युद्ध में झोंक दिया गया। याचिका में केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय से यह भी मांग की गई थी कि रूस में मौजूद भारतीय दूतावास तुरंत दखल दें। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि सरकार यह पता लगाए कि याचिका में जिन भारतीयों का नाम है वे कहां है, किस हालत में हैं और सुरक्षित हैं या नहीं। साथ ही मांग की गई कि भारतीय दूतावास वहां जाकर इन लोगों की हालत की जांच करें। परिवारों से उनकी बात करवाए। जरूरत पड़ने पर इलाज, कानूनी मदद और दूसरी मानवीय सहायता भी दिलाए। परिवारों ने मुआवजे की भी मांग उठाई है। उनका कहना है कि जिन घरों के बेटे इस युद्ध में मारे गए हैं या लापता हैं उन्हें सरकार मदद दे। याचिकाकर्ताओं ने यह भी मांग की कि विदेश में नौकरी के नाम पर भारतीयों को गैरकानूनी तरीके से भेजने, ठगी करने और उनका शोषण करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कारवाई की जाए।

खबर के मुताबिक रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। जंग के बीच भारत के विदेश मंत्रालय ने कई बार एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में शामिल ना होने की चेतावनी भी दी थी। सरकार का कहना है कि कई एजेंट नौकरी का लालच देकर भारतीय युवाओं को रूस भेज देते हैं। वहां पहुंचने के बाद उनसे सेना में कुक हेल्पर या दूसरे काम करवाए जाते हैं।

गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित 01 नफर वांछित अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही तथा अवैध गोवंश तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में थाना विण्ढमगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 24.05.2026 को थाना विण्ढमगंज पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के झारखंड बॉर्डर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए। गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित 01 नफर वांछित अभियुक्त राम दयाल यादव पुत्र बैजनाथ यादव निवासी करमसार थाना ओबरा जनपद सोनभद्र को गिरतार किया गया। उक्त प्रकरण के संबंध में थाना विण्ढमगंज पर मु0अ0सं0–38/2026 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम एवं 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजी.त है। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए उसे न्यायालय भेजा गया।

डूबने से 7 वर्षीय मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के अमवार चौकी अंतर्गत बघाडू गांव के बोलताकरम टोला में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहाँ एक 7 वर्षीय मासूम बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। परिजनों ने बताया कि बोलताकरम टोला निवासी रंकलाल का 7 वर्षीय पुत्र नितेश कुमार रविवार को घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित तालाब पर गया था जिसकी जानकारी परिजनों नहीं थी, नितेश बिना बताए अकेले ही तालाब में नहाने उतर गया। नहाते–नहाते मासूम गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। तालाब के आसपास किसी के न होने के कारण उसे समय रहते बचाया नहीं जा सका। काफी देर तक जब नितेश घर नहीं लौटा, तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने उसकी खोजबीन शुरू की। तलाश करते हुए जब परिजन तालाब के पास पहुंचे, तो पानी की सतह पर नितेश का शव उतराता देख उनके होश उड़ गए। परिजनों ने आनन–फानन में ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक मासूम की सांसें थम चुकी थी,ग्रामीणों ने तत्काल इस घटना की सूचना अमवार पुलिस चौकी को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी जयशंकर राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अधीक्षको का एक ही जगह वर्षों से जमे रहने का आरोप, स्थानान्तरण की मांग

कुशीनगर,। जनपद के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 4 से 5 वर्षों से जमे अधीक्षकों को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनाती रहने से स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है और पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि कुछ अधीक्षक अंगद के पैर की तरह वर्षों से एक ही स्थान एवं कुर्सी पर जमे हुए हैं। जबकि शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार समय –समय पर तबादला होना चाहिए। जनपद के कई स्वास्थ्य केंद्रों में लंबे समय से तैनाती को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के मुखिया, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले का संज्ञान लेने की मांग की है। उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग में पारदर्शिता और बेहतर कार्य प्रणाली के लिए लंबे समय से जमे अधिकारियों का स्थानांतरण आवश्यक है। स्थानीय नागरिकों ने मांग किया है कि शासन स्तर से जांच कराकर ऐसे अधिकारियों के तबादले की कार्रवाई की जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सके और आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

गाजीपुर में तेज रफ्तार अज्ञात थार की टक्कर से दो युवक घायल, चालक फरार

लखनऊ। राजधानी के गाजीपुर थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर–18 में देर रात एक सड़क दुर्घटना में तेज रफ्तार अज्ञात थार वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार शुरू कराया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 23 मई 2026 की रात लगभग 10रू30 बजे थाना गाजीपुर पुलिस को सेक्टर–18 क्षेत्र में सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इंदिरानगर निवासी कार्तिकेय त्रिपाठी अपने मित्र अमित सिंह के साथ मोटरसाइकिल संख्या यूपी 32 ईडी 4298 अपाचे से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रही काले रंग की अज्ञात थार वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क किनारे गिरकर घायल हो गए और मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तत्काल घायलों को परिजनों की मौजूदगी में उपचार के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा। उपचार के दौरान कार्तिकेय त्रिपाठी के पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जबकि अमित सिंह को मामूली चोटें आई हैं।घटना की जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें काले रंग की थार वाहन मोटरसाइकिल को टक्कर मारते हुए दिखाई दे रही है। हालांकि, अभी तक वाहन का पंजीकरण नंबर स्पष्ट नहीं हो सका है।थाना गाजीपुर पुलिस वाहन और चालक की पहचान के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष से तहरीर प्राप्त होने पर नियमानुसार मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मैं वापस आऊंगा से क्या कमाल है गाना रिलीज, दिलजीत दोसांझ और ए. आर. रहमान की जोड़ी ने जीता दिल

दिलजीत दोसांझ और ए. आर. रहमान की आवाज और संगीत से सजा नया गाना श्क्या कमाल हैय् दर्शकों के बीच आ चुका है. यह खूबसूरत ट्रैक इम्तियाज अली की आगामी फिल्म श्मैं वापस आऊंगाय् का पहला गीत है, जो उम्मीद और प्रेम का संदेश लेकर आता है.

दो साल पहले फिल्म अमर सिंह चमकीला के जरिए जादू बिखेरने के बाद यह टीम एक बार फिर साथ आई है. इस बार उनके साथ गीतकार इरशाद कामिल भी हैं, जिनकी संवेदनशील लेखनी ने इस गाने को और गहराई दी है. श्क्या कमाल हैय् सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक एहसास है जो मुश्किल वक्त में भी उम्मीद की किरण दिखाता है.

इम्तियाज अली की फिल्मों में संगीत हमेशा कहानी का अहम हिस्सा रहा है, और इस बार भी उन्होंने उसी परंपरा को आगे बढ़ाया है. श्क्या कमाल हैय् एक सॉन्ग ऑफ होप के रूप में सामने आता है, जो विभाजन काल के दौर में भी जीवित रही मोहब्बत की कहानियों से प्रेरित है. आज के शोर–शराबे और अस्थिरता भरे माहौल में यह गीत हमें याद दिलाता है कि दुनिया में अभी भी प्यार, सुकून और अपनापन बाकी है. इम्तियाज अली का कहना है आज के समय में जब दुनिया कई तरह के संकटों से गुजर रही है, यह गीत लोगों को सकारात्मकता और उम्मीद देने की कोशिश करता है। वहीं दिलजीत दोसांझ ने इस गाने को अपने दिल के बेहद करीब बताया. उनके मुताबिक, यह गीत आपको ठहरकर महसूस करने का मौका देता है बिना किसी बनावट के, पूरी ईमानदारी के साथ.

ए.आर रहमान ने भी इस सहयोग को एक निरंतर रचनात्मक संवाद बताया. उन्होंने कहा, इस फिल्म की थीम जुदाई और विस्थापन को ध्यान में रखते हुए ऐसा संगीत रचा गया है जो शांति और सुकून का अहसास कराए. उनके अनुसार, श्क्या कमाल हैय् उस खूबसूरती को दर्शाता है जिसे हम अक्सर दुनिया के शोर में नजरअंदाज कर देते हैं.

गीतकार इरशाद कामिल ने इस गाने को एक सपना बताया है ऐसा सपना जिसमें न दर्द है, न डर. उनके शब्दों में, यह एक ऐसी दुनिया की कल्पना करता है जहां सिर्फ प्यार, शांति और उम्मीद हो.

अब बात करते हैं म्यूजिक लेबल की. कुमार तौरानी ने कहा, हम टिप्स में मानते हैं कि संगीत भारतीय सिनेमा की धड़कन है. दिलजीत दोसांझ और ए.आर. रहमान का यह पहला ओरिजिनल कोलैबोरेशन, वह भी इम्तियाज अली की कहानी के साथ, श्क्या कमाल हैय् को बेहद खास बनाता है. यह गाना श्रोताओं के दिलों से गहराई से जुड़ता है और खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ रहता है. यह हमारे उस प्रयास को दर्शाता है, जिसमें हम मिनींगफुल और आत्मीय संगीत दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं.

फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ के साथ नसीरुद्दीन शाह, शरवरी वाघ और वेदांग रैना अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. यह फिल्म अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा निर्मित है, जबकि म्यूजिक टिप्स इंडस्ट्री के तहत रिलीज किया गया है. यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. श्क्या कमाल हैय् के साथ इस फिल्म ने पहले ही दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनानी शुरू कर दी है, और अब सभी को इसके बड़े पर्दे पर आने का बेसब्री से इंतजार है.

राम चरण की पेड्डी में शामिल हुईं श्रुति हासन, डांस नंबर से जीतेंगी जनता का दिल

सुपरस्टार राम चरण की फिल्म पेड्डी का टीजर पहले ही फैंस की उत्सुकता को बढ़ा चुका है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह 4 जून को सिनेमाघरों में आएगी। ताजा जानकारी के अनुसार, फिल्म में श्रुति

हासन को शामिल कर लिया गया है और उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। हालांकि श्रुति किसी किरदार के लिए नहीं, बल्कि हाई–एनर्जी डांस नंबर के लिए फिल्म का हिस्सा बनी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रुति को फिल्म वाराणसी के लिए संपर्क किए जाने की खबरों के बाद इस परियोजना में शामिल किया गया है, जो भारतीय सिनेमा में उनकी बढ़ती मांग और उपस्थिति को और दर्शाता है। अभिनेत्री गाने की शूटिंग कर रही हैं, जिससे पेड्डी में एक और रोमांचक तत्व जुड़ जाएगा। पहले से फिल्म के अन्य गाने चिकरी चिकरी और राय राय रा रा, अपने जोशीले संगीत और शानदार डांस के जरिए यूट्यूब पर धमाल मचा चुके हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म पेड्डी, राम चरण की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। इसकी कहानी 1980 के दशक के ग्रामीण आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें अभिनेता एक पहलवान के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनकी जोड़ीदार के तौर पर जाह्नवी कपूर नजर आएंगी। वहीं शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में संगीत आस्कर विजेता एआर रहमान द्वारा दिया गया है।

राजा शिवाजी ने 7वें दिन भी मचाई धूम, 50 करोड़ के हुई पार

रितेश देशमुख की ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी मराठी सिनेमा के लिए बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर इतिहास रच रही है. महाराष्ट्र में काफी प्रमोशन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. शानदार ओपनिंग के बाद इसने वीकडेज में भी ध मामाकेदार कमाई की है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं राजा शिवाजी ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है?

राजा शिवाजी को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो चुका है. इसकी ओपनिंग काफी जबरदस्त रही थी और इसने ओपनिंग वीकेंड भी भी अच्छी कमाई की लेकिन वीकडेज में इसके कलेक्शन में काफी उतार–चढ़ाव बना रहा है, फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है. हालांकि गुरुवार को इसकी कमाई में गिरावट आई है लेकिन फिर भी इसने एक मील का पत्थर पार कर लिया है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो राजा शिवाजी ने रिलीज के पहले दिन 11.35 करोड़ कमाए थे. दूसरे दिन इस फिल्म ने 10.55 करोड़, तीसरे दिन 12 करोड़, चौथे दिन 5.60 करोड़ 5वें दिन 4.90 करोड़ और छठे दिन 4.25 करोड़ की कमाई की है. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन 4 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म के 7 दिनों का कुल कलेक्शन अब 52.60 करोड़ रुपये हो गया है.

राजा शिवाजी ने सिनेमाघरों में अपनी रिलीज के पहले हफ्ते में 52 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है. इसी के साथ ये अपने आधे बजट से ज्यादा वसूल कर चुकी है. बता दें कि इसे 75 करोड़ की लागत में बनाया गया है. ऐसे में अपना पूरा बजट वसूलने से ये फिल्म 23 करोड़ रुपये दूर है. उम्मीद है कि दूसरे वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी और ये अपनी लागत वसूलने के करीब पहुंच जाएगी और दूसरे हफ्ते में तो ये हर हालत में अपना पूरा बजट वसूल कर जाएगी. वैसे इस फ्राइडे सिनेमाघरों में कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हुई है जिसके चलते बॉक्स ऑफिस पर कंप्टीशन कम है और इस कारण राजा शिवाजी के पास कमाई करने का पूरा मौका है.

साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन का पहले हफ्ते में सूपड़ा साफ होते दिख रहा है। इसने 7वें दिन सिर्फ 19 लाख रुपये कमाए हैं। कारोबारी दिनों में फिल्म लगातार सिर्फ लाखों में कारोबार करती आई है। फिल्म ने अब तक कुल 4 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की हॉरर–कॉमेडी भूत बंगला ने रिलीज के 21वें दिन 1.75 करोड़ कमाए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन अब 150 करोड़ रुपये हो गया है।

भारत में पैट्रियट का बुरा हाल, सातवें दिन लाखों में सिमटी कमाई, लेकिन वर्ल्डवाइड छाप रही नोट

ममूटी और मोहनलाल स्टारर फिल्म पैट्रियट ग्लोबल लेवल कुछ उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद सिनेमाघरों में निराशाजनक परफॉर्म कर रही है. ये एक्शन थ्रिलर भारत में अपनी मजबूत

पकड़ बनाए रखने में असफल साबित हुई है. हालांकि, विदेशी दर्शक अभी भी फिल्म को ठीक रिस्पॉन्स दे रहे हैं जिसके चलते इसने वर्ल्डवाइड ठीक कमाई कर ली है. चलिए यहां जानते हैं पैट्रियट ने रिलीज के 7वेंदिन कितना कलेक्शन किया है?

पैट्रियट ने सिनेमाघरों में रिलीज का एक हफ्ता पूरा कर लिया है. वहीं भारत में ये फिल्म दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई और इसी के साथ ये कमाई भी नहीं कर पाई है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक पैट्रियट ने रिलीज के 7वें दिन 93 लाख का कलेक्शन किया है. इसी के साथ इस फिल्म का भारत में 7 दिनों का कुल नेट कलेक्शन 26.98 करोड़ रुपये हो गया जबकि इसका भारत में ग्रॉस कलेक्शन फिलहाल 31.30 करोड़ रुपये है.

विदेशी बाजार ने पैट्रियट के कुल कारोबार में अहम योगदान दिया है. फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 41.50 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसके साथ ही, फिल्म का सात दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 72.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. घरेलू कमाई में तेजी से गिरावट के बावजूद, विदेशी दर्शकों के मजबूत सपोर्ट ने फिल्म को विश्व स्तर पर पूरी तरह से धराशायी होने से बचा लिया है. महेश नारायणन की मलयालम एक्शन थ्रिलर पैट्रियट का125 करोड़ के भारी–भरकम बजट में बनी बताया जा रहा है. इस फिल्म ने एक हफ्ते में घरेलू बाजार में अपनी आधी लागत वसूलना तो दूर 30 करोड़ का आंकडा भी पार नहीं किया है. ऐसे में ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट चुकी है. बता दें कि इसी के साथ मोहनलाल ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी लगातार दूसरी फ्लॉप फिल्म दी है. इससे पहले 2025 में आई उनकी एक्शन फिल्म वृषभा ने मात्र 1.64 करोड़ की कमाई की थी. पैट्रियट से उम्मीद थी कि यह आडू 3, वाझा 2 और प्रकंबनम के बाद 2026 में मलयालम सिनेमा की सफलता की लय को बरकरार रखेगी. लेकिन इसके बजाय, ये बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई है.

क्या आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही? जानिए इसके 5 संकेत

सनस्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने के लिए किया जाता है। हालांकि, कभी–कभी सनस्क्रीन सही से काम नहीं करती, जिसका अंदाजा ज्यादातर लोगों को नहीं होता। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जिनसे पता चलता है कि आपकी सनस्क्रीन त्वचा की सुरक्षा नहीं कर रही। इन संकेतों को पहचानकर आप अपनी सनस्क्रीन को बेहतर बना सकते हैं और अपनी त्वचा को सूरज की किरणों से सुरक्षित रख सकते हैं।

त्वचा का रंग गहरा होना: अगर आपकी त्वचा धूप में रहने से सनस्क्रीन लगाने के बाद भी गहरी होती जा रही है तो समझ जाइए कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। इसका मतलब होता है कि आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षा नहीं मिल रही। ऐसे में हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाली और ज्यादा सुरक्षा देने वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और इसे हर कुछ घंटों बाद दोबारा लगाएं।

जलन या लालिमा महसूस होना

अगर आपको अपनी त्वचा पर जलन या लालिमा महसूस होती है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। अगर आप धूप में रहने के बाद जलन या लालिमा महसूस करते हैं तो तुरंत छाया में जाएं और अपनी सनस्क्रीन को फिर से लगाएं। इस तरह आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं और स्वस्थ रख सकते हैं।

त्वचा का रंग असमान होना

अगर आपकी त्वचा का रंग असमान लग रहा हो, जैसे कि धब्बे या कालापन दिखाई दे रहे हों तो इसका मतलब हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। ऐसी स्थिति में अपनी सनस्क्रीन को बदलें और यह सुनिश्चित करें कि वह आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। अपनी सनस्क्रीन को सही तरीके से लगाएं, ताकि वह पूरी तरह से आपकी त्वचा को ढक सके और उसे सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सके।

समय से पहले झुर्रियां आना: अगर आप समय से पहले झुर्रियों का अनुभव कर रहे हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। सूरज की हानिकारक किरणें हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे झुर्रियां जल्दी आती हैं। इसलिए, जरूरी है कि आप अपनी सनस्क्रीन को सही तरीके से लगाएं और नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा युवा और स्वस्थ बनी रहे।

त्वचा का जल जाना: अगर आपको त्वचा का जलना महसूस होता है तो तुरंत अपनी सनस्क्रीन को बदलें। त्वचा पर जलन होने होने का मतलब है कि आपकी पुरानी सनस्क्रीन आपकी त्वचा को सही तरीके से सुरक्षा नहीं दे पा रही थी। हमेशा ज्यादा सुरक्षा देने वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और इसे हर कुछ घंटों बाद दोबारा लगाएं। इन संकेतों को पहचानकर आप अपनी त्वचा की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकेंगे और सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षित रख सकते हैं।